सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 11 ● अंक: 133 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, बुधवार 18 जून, 2025
मूल्य ₹ 3/-

मैं श्रम की गरिमा में यकीन रखता हूं, चाहे वो दिमाग से हो या हाथ से, दुनिया किसी की जीविका के लिए जिम्मेदार नहीं है पर यह हर व्यक्ति को जीविका के अवसर देने के लिए जिम्मेदार है।

-जॉन डी. रॉकफेलर

इंग्लैंड दौरा: सिर्फ तीन टेस्ट खेलेंगे... 7 | गुजरात में फिर बाहर आया यूसीसी... 3 | विमान हादसे के लिए जिम्मेदार दें... 2

पाक आर्मी चीफ मुनीर ट्रंप का मेहमान

भारतीय राजनीति में मचा तूफान

» कांग्रेस बोली- पीएम की विदेश नीति खोखली

» विपक्ष ने उठाए सवाल सपा बोली- बहुत देर कर दी

» पीएम से फोन पर हुई थी ट्रंप से बात

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पाकिस्तानी आर्मी चीफ जनरल आसिम मुनीर की अमेकिरन प्रेसीडेंट डोनाल्ड ट्रंम के साथ ओपन बैठक और लंच की खबरों ने भारतीय राजनीति में तूफान खड़ा कर दिया है। कांग्रेस ने इसे बीजेपी सरकार की खोखली विदेश नीति करार देते हुए कहा है कि यह भारत के लिए ट्रिपल झटका है। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने सवाल पूछते हुए कहा है कि एक ओर पीएम मोदी से फोन पर बाते और दूसरी ओर आतंकी देश के आर्मी अधिकारी के साथ लंच यह हो क्या रहा है। वहीं सपा ने कहा बहुत देर कर दी।

जयराम ने सवाल पूछा है कि क्या भारत ने आसिम मुनीर के प्रेसीडेंट ट्रंप के साथ लंच पर आपत्ति जताई है? क्योंकि आसिम मुनीर के भड़काउ भाषण के बाद ही पहलगाम हमला हुआ। अमेरिकन प्रेसीडेंट डोनाल्ड ट्रंप के आग्रह पर पीएम मोदी की उनसे फोन पर बात हुई। इस बातचीत में पीएम ने भारत—पाक मुददों पर किसी भी तीसरे पक्ष की मौजूदगी को नाकार दिया। पीएम मोदी ने यह भी स्पष्ट किया कि ऑपरेशन सिंदूर अभी भी जारी है और आतंकवाद को युद्ध के रूप में लिया जाएगा। विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री ने बताया है कि किस तरह से जी7 शिखर सम्मेलन बीच में छोड़कर कनाडा से अमेरिका लौटे राष्ट्रपति ट्रंप ने प्रधानमंत्री से फोन पर 35 मिनट बात की और किस अंदाज में पीएम मोदी ने उन्हें बताया कि भारत अब अपनी शर्तों पर अपनी नीतियां तय करता है और यह बात उसके कूटनीतिक रिश्तों में भी लागू होती है।

असामान्य ट्रैंगल

हाल ही में हुई आसिम मुनीर और चीनी सैन्य प्रमुख की बीजिंग में मुलाकात, और अब प्रेसीडेंट ट्रंप के साथ लंच यह दोतरफा नहीं बल्कि त्रिकोणीय कूटनीतिक समीकरण बनता दिख रहा है जिसमें भारत कहीं फिट बैठता नहीं दिखायी दे रहा। भारत के लिए चिंता की बात है कि सीपीईसी जैसे विवादास्पद प्रोजेक्ट जो भारत की संप्रभुता को चुनौती देते हैं अब फिर से वैश्विक समर्थन प्राप्त करते नजर आ रहे हैं। ट्रंप पाकिस्तान को अफगान नीति में प्रमुख भूमिका देते दिखायी दे रहे हैं जिससे भारत के लिए खतरे और बढ़ सकते हैं।

भारतीय कूटनीति बिखर रही है प्रधानमंत्री चुप हैं : जयराम

कांग्रेस ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा पाकिस्तानी सेना प्रमुख आसिम मुनीर को दोपहर के भोज पर आमंत्रित किए जाने से जुड़ी खबरों का हवाला देते हुए बुधवार को दावा किया कि भारतीय कूटनीति बिखर रही है लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी "पूरी तरह चुप" हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय 'व्हाइट हाउस' की ओर से बुधवार के लिए जारी ट्रंप के कार्यक्रम के अनुसार, वह कैबिनेट रूम में पाकिस्तानी जनरल आसिम मुनीर के साथ दोपहर का भोज करेंगे। कांग्रेस जयराम रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, "फील्ड मार्शल आसिम मुनीर, वह व्यक्ति है जिनकी भड़काऊ और उकसाने वाली टिप्पणी 22 अप्रैल के पहलगाम आतंकवादी हमलों से सीधे जुड़ी थी, उन्हें आज 'व्हाइट हाउस' में राष्ट्रपति ट्रंप के साथ दोपहर के भोज पर बुलाया गया है।" उन्होंने सवाल किया कि क्या यही वजह है कि राष्ट्रपति ट्रंप एक दिन पहले ही जी7 शिखर सम्मेलन छोड़कर चले गए और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को "गले लगाने से" मना कर दिया? रमेश ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप ने खुद 14 बार यह दावा किया है कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच "युद्ध विराम" कराया है जिसका मतलब है कि उन्होंने 'ऑपरेशन सिंदूर' को खत्म करा दिया। उन्होंने कहा, "अमेरिकी केंद्रीय कमान के प्रमुख जनरल माइकल कुरिल्ला ने आतंकवाद विरोधी अभियानों में पाकिस्तान को अभूतपूर्व साझेदार बताया था।" रमेश ने दावा किया, 'नमस्ते ट्रंप' द्वारा 'हाउडी मोदी' को यह तिहरा झटका है! भारतीय कूटनीति बिखर रही है और प्रधानमंत्री पूरी तरह से चुप हैं।

भारत आएंगे ट्रंप प्रधानमंत्री मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति को क्वाड शिखर सम्मेलन कि भारत में होना है में सम्मिलत होने के लिए न्योता दिया। प्रेसीडेंट ट्रंप ने इस न्योते को फौरन स्वीकार करके कहा है कि वह भारत यात्रा को लेकर बहुत उत्सुक हैं।

कांग्रेस ने बताए तीन झटके

कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने बयान जारी करते हुए कहा है कि एक ही दिन में भारत की कूटनीति को अमेरिका से तीन बड़े झटके लगे हैं। इनसे भारत की विदेश नीति और भारत-अमेरिका संबंधों पर गंभीर सवाल खड़े होते हैं। जयराम ने कहा है कि अमेरिका की सेंट्रल कमांड चीफ जनरल माइकल कुरिल्ला ने पाकिस्तान को आतंकवाद के खिलाफ साझेदार बताया जबकि पाकिस्तान खुद एक आतंकवादी देश है। ओसाम की मौजूदगी से यह साबित हो चुका है। वहीं लंच डिप्लोमैसी और भारत—पाक युद्ध रूकवाने वाली बात को फिर से कहना यह साबित कर रहा है कि विदेश नीति में भारत को बड़े झटके लगे हैं। कांग्रेस नेता ने आगे कहा कि ये हमारी कूटनीति के लिए बड़े झटके हैं। साथ ही चेतावनी और चुनौती भी हैं। प्रधानमंत्री जो सर्वशक्तिमान और सर्वव्यापी हैं, उन्हें अब सर्वदलीय बैठक बुलानी चाहिए। उन्होंने विदेश यात्राओं पर गए सांसदों से मुलाकात की है, अब विपक्षी दलों के नेताओं से भी मिलना चाहिए।

कांग्रेस की विश्वसनीयता वैश्विक स्तर पर शून्य : प्रदीप भंडारी

भाजपा नेता प्रदीप भंडारी ने कहा आज कांग्रेस पार्टी की विश्वसनीयता ऐतिहासिक और वैश्विक स्तर पर शून्य पर है। उन्होंने आगे कहा कि जयराम रमेश जो कुछ भी कहते हैं, उस पर कांग्रेस पार्टी में राहुल गांधी को छोड़कर कोई भी विश्वास नहीं करता। मान लीजिए कि उनमें थोड़ी भी देशभक्ति है। उस स्थिति में, उन्हें देश की जनता से माफी मांगनी चाहिए कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान और उसके बाद उन्होंने पाकिस्तानी नैरेटिव को आगे बढ़ाया और देश के नैरेटिव को कमजोर किया। उन्हें भारत सरकार के आधिकारिक रुख पर विश्वास नही था, क्योंकि उन्हें लगता था कि अगर वे भारत के खिलाफ बोलेंगे, तो कांग्रेस पार्टी, जो पाकिस्तान की बी टीम है, आगे बढ़ जाएगी।

ग्लोबल साउथ की असमंजस स्थिति

भारत ने हाल के वर्षों में जी20 और ब्रिक्स जैसे मंचों पर ग्लोबल साउथ का नेतृत्व करने का दावा किया था।

लेकिन, पाकिस्तान जिस तरह अमेरिका, चीन, और खाड़ी देशों से फिर से संबंध मजबूत कर रहा है उससे भारत की वह स्थिति भी चुनौतीपूर्ण होती जा रही है। अफीकी देशों से लेकर सेंट्रल एशिया तक भारत की रणनीति केवल निवेश और धार्मिक-सांस्कृतिक जुड़ाव तक सीमित हो रही जबकि पाकिस्तान ने सैन्य व राजनीतिक समर्थन जुटाने में सफलता पायी है।

विमान हादसे के लिए जिम्मेदार दें इस्तीफा : अखिलेश

» बोले सपा प्रमुख- भाजपा सरकार ने अयोग्य लोगों को पदों पर बैठाया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि अहमदाबाद में हुआ विमान दुर्घटना बेहद गंभीर है। इतनी बड़ी दुर्घटना के बाद अभी तक किसी भी जिम्मेदार का इस्तीफा नहीं हुआ है। अखिलेश यादव ने कहा कि हमने पुलवामा और पहलगाम हमले में किसी का इस्तीफा नहीं मांगा, लेकिन इस दुर्घटना में सरकार के जिम्मेदार लोगों का इस्तीफा होना चाहिए। उन्होंने कहा कि जब से विभागों का निजीकरण हुआ है, लगातार दुर्घटनाएं हो रही है। ऐसा लगता है अपने लोगों को नौकरी देने के लिए सरकार ने अयोग्य लोगों को पदों पर बैठा दिया है।

अखिलेश यादव प्रदेश सपा मुख्यालय पर प्रेस कांफ्रेंस कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कारोबार, नौकरी और रोजगार भाजपा सरकार के एजेंडे में नहीं है। भाजपा सरकार ने महंगाई, बेरोजगारी को बढ़ाया है। देश का पूरा बाजार विदेशियों के हाथ में दे दिया है। जो लोग खुद को राष्ट्रवादी कहते हैं, स्वदेशी की बात करते हैं, उन्होंने एफडीआई लाकर और नीतियां बनाकर देश का बाजार विदेशी सामानों से पाट दिया। उन्होंने योगी सरकार के आपसी अंतरविरोध भी सामने रखे। अखिलेश यादव ने कहा कि इस सरकार ने नमामि गंगे के नाम पर हजारों करोड़ का बजट साफ कर दिया, लेकिन गंगा की सफाई नहीं हो पाई।

इंडिया गठबंधन मिलकर विधानसभा चुनाव लड़ेगा

सपा अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि इंडिया गठबंधन एकजुट है। इंडिया गठबंधन मिलकर विधानसभा चुनाव लड़ेगा। हम उस समय सीटों पर बात कर लेंगे। समाजवादी पार्टी किसी सांसद के बयान या किसी के ट्वीट और सोशल मीडिया पर लिखने पर कुछ भी नहीं कहना चाहती है।

सरकारी जमीनों पर भाजपा नेताओं की नजर

उन्होंने कहा कि इस सरकार ने बिजली उत्पादन बढ़ाने और व्यवस्था सुधारने के लिए कोई काम नहीं किया। प्राइमरी स्कूलों की गुणवत्ता खराब कर दी। स्कूलों में बच्चे नहीं जा रहे हैं। सरकारी इंटरमीडिएट स्कूलों की जमीनों पर भाजपा नेताओं की नजर है।

20 फीसदी भी गेंहू की खरीद नहीं हुई

सरकार ने 20 फीसदी भी गेंहू की खरीद नहीं की। समाजवादी सरकार में प्रदेश का पहला काऊ मिल्क प्लांट कन्नौज में लगाया गया था। भाजपा सरकार में बंद हो गया। बदायूं में पटेल समाज के साथ अन्याय हुआ है। प्रयागराज में पाल समाज की बेटी के साथ अन्याय हुआ। बुनकरों को अत्याधुनिक सुविधाएं मुहैया कराई जानी चाहिए।

प्रदेश के मेडिकल कॉलेजों की हालत खराब

उन्होंने कहा कि प्रदेश के मेडिकल कॉलेजों की हालत खराब है। अभी नीट का परिणाम आया है अगर कॉलेजों में स्टॉफ नहीं होगा तो हम कैसे डॉक्टर्स तैयार करेंगे। प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाएं बदहाल हैं अभी सुल्तानपुर में मरीज के जिस हाथ में फैक्चर नहीं था उसमें प्लास्टर चढ़ा दिया। बीते 10 साल में न जाने कितने मामले हो चुके हैं जहां पर डॉक्टर की लापरवाही से मरीजों की जान गई है। यही हाल शिक्षा का है। सरकार बजट में शिक्षा के लिए बड़े ऐलान करती है पर सच तो ये है कि सरकारी प्राथमिक स्कूलों को बर्बाद किया जा रहा है जिससे कि गरीबों को बच्चे वहां न जा सकें। यही हाल माध्यमिक शिक्षा का भी किया जा रहा है।

पीडीए राजनीतिक नहीं भावनात्मक गठबंधन है, हम पंचायत चुनाव के लिए पूरी तरह तैयार

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि पीडीए एक राजनीतिक नहीं बल्कि भावनात्मक गठबंधन है। जो भी पीड़ित, दलित, वंचित और गरीब है वो पीडीए का हिस्सा है। मुझे खुशी है कि आज पसमांदा समाज भी इसमें शामिल हो गया है। उन्होंने कहा कि पी का एक मतलब पसमांदा समाज भी होता है। अखिलेश यादव मंगलवार को सपा मुख्यालय में मीडिया को संबोधित कर रहे थे।उन्होंने कहा कि हम पंचायत चुनाव के लिए पूरी तरह तैयार हैं और भाजपा लगातार सपा के वोट कम करने के लिए काम कर रही है लेकिन अब लोग भी समझ रहे हैं। वहीं, जाति जनगणना की अधिसूचना जारी होने पर उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि ये लोग (भाजपा) अभी तक तो कोई ढंग का काम करवा नहीं सके जाति जनगणना क्या करवाएंगे।

हरियाणा की भाजपा सरकार अपना काम नहीं कर रही : अभय सिंह चौटाला

» इनेलो अध्यक्ष की चुनौती-24 घंटे के लिए मुझे सीएम बना दो... प्रदेश में एक बदमाश नहीं टिकेगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। इनेलो के राष्ट्रीय अध्यक्ष अभय सिंह चौटाला ने चुनौती दी है कि हरियाणा सरकार अपना काम नहीं कर रही है। मुझे केवल 24 घंटे मुख्यमंत्री बना कर देखो, एक भी बदमाश प्रदेश में टिक जाए तो। चंडीगढ़ में एक चौटाला ने हरियाणा सरकार पर कानून व्यवस्था फेल होने के आरोप लगाए।

चौटाला ने कहा कि माफियाओं का खौफ जारी है। सीईटी के आवेदन को लेकर सरल पोर्टल चला नहीं, इसलिए सरकार 15 दिन और आवेदन करने का समय दे जिससे हजारों युवा आवेदन दोबारा से कर सकें।वहीं हिसार के एचएयू में विश्वविद्यालय प्रबंधन पर चौटाला ने गंभीर आरोप लगाए और कहा कि वजीफा बंद कर दिया, आवाज उठाने वाले छात्रों पर लाठिया बरसा दीं, तत्काल इस घटना में शामिल सभी पर केस दर्ज हो और गिरफ्तारी की जाए।

देश को किस ओर लेकर जा रही प्रदेश की भाजपा सरकार : सुनैना

इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) की महिला प्रदेश संयोजक सुनैना चौटाला सोमवार को यमुनानगर में जिला कार्यालय पहुंची। इस दौरान उन्होंने प्रदेश के शिक्षा मंत्री की ओर से अंग्रेजी भाषा को लेकर दिए गए बयान पर तंज कसते हुए कहा कि प्रदेश सरकार देश के भविष्य को किस ओर लेकर जा रही है। आज प्रदेश का हर युवा आगे बढ़ना चाहता है, लेकिन मौजूदा भाजपा सरकार के इरादे ठीक नहीं लगते है।उन्होंने कहा कि प्रदेश में अपराध लगातार बढ़ रहा है। यमुनानगर की बात करें तो यहां फायरिंग की घटनाएं ही नहीं थम रही। लोग इन घटनाओं से डरे हुए हैं। कहा कि इनेलो ही एक ऐसी पार्टी है जो सभी वर्ग को साथ लेकर चलती है।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

हिमाचल में डबल इंजन था, पर एक पक्चंर, दूसरा पिछलग्गू : सीएम सुक्खू

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

निरमंड (कुल्लू)। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने आनी विधानसभा क्षेत्र के निरमंड उपमंडल के बागा सराहन में आयोजित जनसभा में भाजपा और पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर पर जमकर तंज कसे। उन्होंने कहा कि जयराम ठाकुर ने प्रदेश का बेड़ा गर्क कर दिया और जाते-जाते प्रदेश को कर्ज के दलदल में धकेल दिया।

सुक्खू ने भाजपा की डबल इंजन सरकार पर चुटकी लेते हुए कहा, डबल इंजन तो था, लेकिन एक इंजन पंचर और दूसरा पिछलग्गू निकला। विकास तो दूर, प्रदेश को पीछे धकेलने में कोई कसर नहीं छोड़ी गई। शिक्षा व्यवस्था को लेकर उन्होंने तीखा हमला किया। कहा कि भाजपा राज में शिक्षा की हालत यह कर दी गई कि आठवीं कक्षा का छात्र तीसरी की किताब तक नहीं पढ़ पा रहा। यह भाजपाई पढ़ाई मॉडल है, जिसमें पढ़ो भारत की जगह 'भूलो सब' लागू था।

मुख्यमंत्री ने यह भी दोहराया कि यह आउटर सिराज क्षेत्र है और जयराम ठाकुर खुद पड़ोस के सिराज से हैं, लेकिन उन्होंने कभी इस क्षेत्र की तरफ नहीं देखा। मंच पर बैठे भाजपा विधायक लोकेंद्र कुमार पर तंज कसते हुए सुक्खू बोले, केंद्र में आज भी आपकी सरकार है, लेकिन हमें एक पैसा नहीं मिला।

भर्ती पर योगी सरकार कर रही प्रचार : मायावती

» बोलीं बसपा प्रमुख- पुलिस में ऐसी भर्ती रूटीन कार्य है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी की मुखिया और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने उत्तर प्रदेश में हाल के दिनों में संपन्न हुई 60,244 पुलिस भर्ती पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने सिलसिलेवार दो एक्स पोस्ट्स में आरोप लगाया कि सरकार जिस तरह से भर्ती को प्रचारित कर रही है, उससे लग रहा है है कि यह कोई नई बात है।

मायावती ने मंगलवार, 18 जून को एक के बाद एक दो पोस्ट कर सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी की सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने लिखा कि यूपी में अभी हाल ही में हुई सिपाही भर्ती को लेकर ऐसा प्रचारित किया गया जैसे यह कोई नई बात हो, जबकि पुलिस में ऐसी भर्ती रूटीन कार्य है, ताकि बैकलॉग की बुराई पुलिस विभाग में भी न आए, किंतु इस भर्ती में सर्वसमाज को सही हक मिला या नहीं व उनकी ट्रेनिंग का क्या? यही आम चिंता। मायावती के इस बयान को राज्य की मौजूदा कानून व्यवस्था और पुलिस भर्ती प्रक्रि या पर प्रत्यक्ष हमला माना जा रहा है। उन्होंने साफ कहा कि उनकी सरकार में पुलिस भर्ती पारदर्शिता और योग्यता के आधार पर होती थी और इसका फायदा सभी वर्गों को मिला करता था।

बीएसपी सरकार में पुलिस भर्ती को ईमानदार बनाया गया था

अपने दूसरे पोस्ट में मायावती ने अपनी सरकार के कार्यकाल की याद दिलाई। उन्होंने लिखा,जबकि बीएसपी की मेरी सरकार में यूपी में 'कानून द्वारा कानून का राज' का न्याय-युक्त माहौल स्थापित करने के लिए एकमुश्त 1.20 लाख नए पद सृजित करके पुलिस भर्ती को ईमानदार बनाया गया, जिस शांति व्यवस्था का लाभ बिना भेदभाव के समाज के सभी वर्गों के लोगों को मिला, जिसकी अब काफी कमी है।

2027 तक कांग्रेस संगठन होगा मजबूत : अविनाश पांडेय

» यूपी कांग्रेस प्रभारी ने कहा संगठन की राय पर ही मिलेंगे विधायकी के टिकट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस ने प्रदेश में 2027 विधानसभा की चुनाव तैयारी शुरू कर दी है। संगठन सृजन की समीक्षा बैठक में तय किया गया कि जिला कांग्रेस कमेटियों को बूथ स्तर तक सशक्त बनाया जाएगा।

टिकट वितरण में जिला कमेटी की राय को सर्वोच्च प्राथमिकता मिलेगी। यही रणनीति बूथ स्तर तक कार्यकर्ताओं में ऊर्जा भरने का काम करेगी और 2027 के चुनाव में जीत का आधार मजबूत बनेगा। संगठन सृजन अभियान के अंतर्गत पूर्वांचल जोन के अंतर्गत आने वाले जिले सिद्धार्थ नगर, महाराजगंज, गोरखपुर, बस्ती, कुशीनगर, आजमगढ़, मऊ, देवरिया, बलिया, संत कबीर नगर, अयोध्या और अंबेडकरनगर की समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय महासचिव और प्रदेश प्रभारी अविनाश पाण्डेय ने कार्यकर्ताओं में जोश भरा। उन्होंने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव में टिकट वितरण में जिला संगठन की राय को सर्वोच्च प्राथमिकता मिलेगी। जिला कांग्रेस कमेटी का कार्यकर्ता जमीन तक कैडर को तैयार करता है। लोगों से संपर्क करता है और सड़क पर संघर्ष करता है, इसलिए उनकी राय प्रथम रहेगी।

गुजरात में फिर बाहर आया यूसीसी का जिन्न

गुजरात में बढ़ाई गई समय सीमा, सरकार ने एक महीने का दिया विस्तार

ड्राफ्ट पर अब चल रहा अंतिम काम

रिपोर्ट जल्द आने वाली है!

सीएम ने फरवरी 2025 में की थी घोषणा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गांधीनगर। गुजरात में समान नागरिक संहिता को लागू करने की दिशा में एक नया मोड़ आया है। गुजरात सरकार ने हाल ही में यूसीसी ड्राफ्ट तैयार करने वाली समिति की समय सीमा को 45 दिनों के लिए और बढ़ा दिया है। इस समिति का गठन 4 फरवरी 2025 को किया गया था, जिसको शुरू में 45 दिनों के भीतर अपनी रिपोर्ट सौंपनी थी, लेकिन अब इसकी समय सीमा बढ़ाकर जून 2025 तक कर दी गई है। इस कदम ने न केवल राजनीतिक हलकों में हलचल मचा दी है। बल्कि विपक्षी दलों और सामाजिक संगठनों ने इसे बीजेपी की रणनीति पर सवाल उठाने का अवसर बना लिया है।

आलोचकों का कहना है कि यह कदम बीजेपी की राजनीतिक रणनीति का हिस्सा है। जिसका उद्देश्य धार्मिक और सामाजिक ध्रुवीकरण को बढ़ावा देना और स्थानीय निकाय चुनावों से पहले जनता का ध्यान भटकाना है। आपको बता दें कि गुजरात के मुख्यमंत्री भूपद्र पटेल ने 4 फरवरी 2025 को घोषणा की थी कि यूसीसी के लिए एक पांच सदस्यीय समिति का गठन किया जा रहा है। जिसकी अध्यक्षता सुप्रीम कोर्ट की पूर्व न्यायाधीश रंजना देसाई करेंगी, इस समिति में रिटायर्ड आईएएस अधिकारी सी.एल. मीणा, वरिष्ठ वकील आर.सी. कोडेकर, शिक्षाविद् दक्षेश ठाकर,और सामाजिक कार्यकर्ता गीता श्रॉफ शामिल हैं। समिति का मुख्य कार्य गुजरात में यूसीसी की आवश्यकता का आकलन करना और इसके लिए एक ड्राफ्ट तैयार करना है। जिसको लेकर मुख्यमंत्री ने दावा किया कि यह कदम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समान अधिकारों के दृष्टिकोण को लागू करने की दिशा में उठाया गया है। समिति को विभिन्न समुदायों, धार्मिक नेताओं, और सामाजिक संगठनों से सलाह-मशविरा करके एक व्यापक रिपोर्ट तैयार करने का निर्देश दिया गया है।

समिति को रिपोर्ट सौंपने के लिए अतिरिक्त 45 दिन का समय

बता दें कि 3 मार्च 2025 को गुजरात सरकार ने घोषणा की कि यूसीसी समिति को अपनी रिपोर्ट सौंपने के लिए अतिरिक्त 45 दिन का समय दिया गया है, इस फैसले की घोषणा के साथ ही समिति ने अपनी परामर्श प्रक्रिया शुरू कर दी है, समिति ने गांधीनगर में अपनी पहली बैठक आयोजित की, जिसमें जैन, हिंदू, मुस्लिम, बौद्ध, और स्वामीनारायण समुदायों के आध्यात्मिक नेताओं के साथ-साथ कांग्रेस, बीजेपी और बहुजन समाज पार्टी के प्रतिनिधियों से मुलाकात की इसके अलावा, डॉक्टरों, वकीलों, और इंजीनियरों जैसे पेशेवरों से भी सुझाव लिए गए समिति ने एक ऑनलाइन पोर्टल भी लॉन्च किया है जहां लोग अपने सुझाव दर्ज कर सकते हैं।

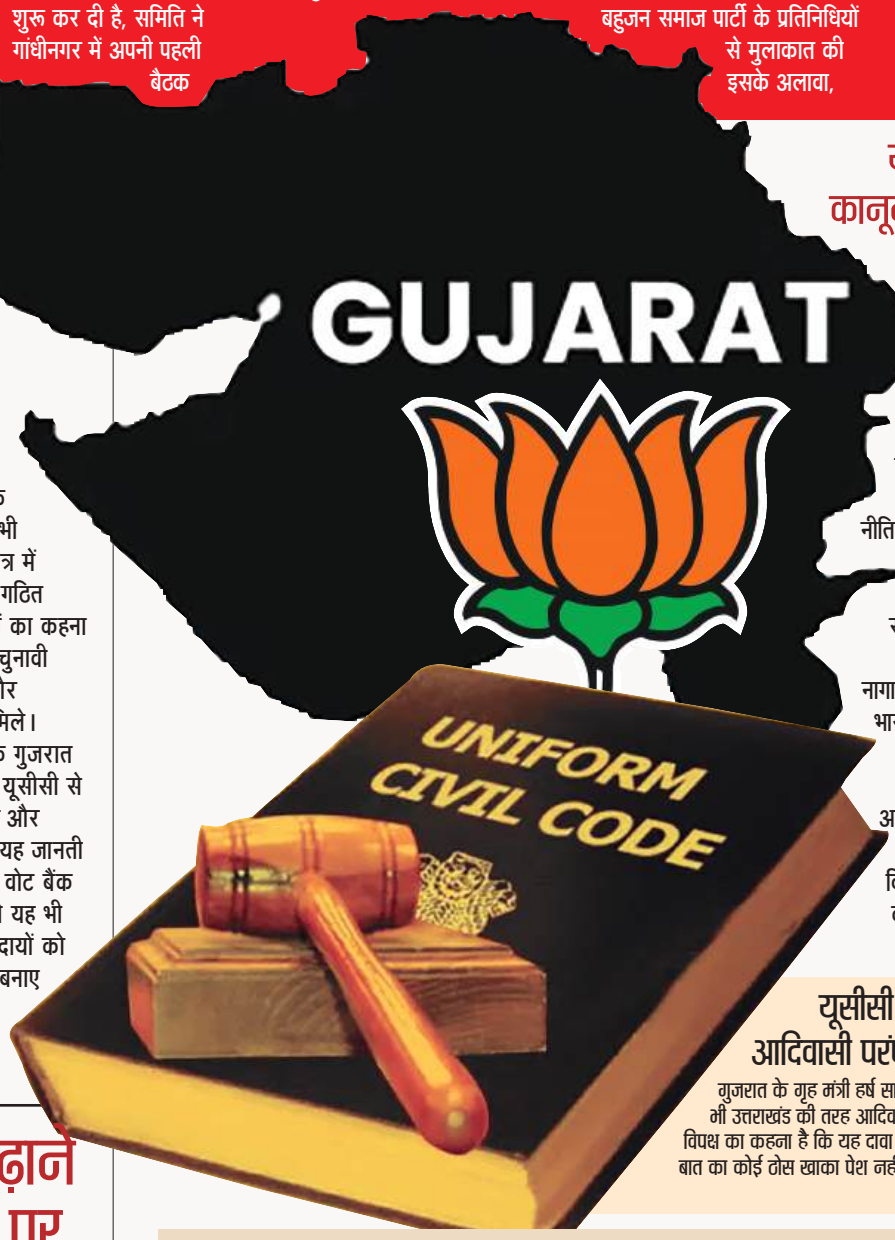

यूसीसी को लेकर बीजेपी की रणनीति पर सवाल

यूसीसी को लेकर बीजेपी की रणनीति पर सवाल उठ रहे हैं। यह पहली बार नहीं है जब बीजेपी ने यूसीसी का मुद्दा उठाया है। 2022 के गुजरात विधानसभा चुनावों से पहले भी बीजेपी ने यूसीसी को अपने घोषणापत्र में शामिल किया था और एक समिति गठित करने की घोषणा की थी। आलोचकों का कहना है कि बीजेपी इस मुद्दे को बार-बार चुनावी मौसम में उठाती है, ताकि धार्मिक और सामुदायिक ध्रुवीकरण को बढ़ावा मिले। कांग्रेस नेता अमित छवड़ा ने कहा कि गुजरात में 14फीसदी आदिवासी आबादी है। यूसीसी से उनके रीति-रिवाज, धार्मिक संस्कार और विवाह प्रणाली प्रभावित होगी बीजेपी यह जानती है। फिर भी वह इस मुद्दे को उठाकर वोट बैंक की राजनीति कर रही है और उन्होंने यह भी कहा कि भारतीय संविधान कुछ समुदायों को अपनी संस्कृति और परंपराओं को बनाए रखने की स्वतंत्रता देता है और यूसीसी इस स्वतंत्रता को छीन सकता है।

समय सीमा बढ़ाने के इस कदम पर कई सवाल

हालांकि, समय सीमा बढ़ाने का यह कदम कई सवाल खड़े करता है। आलोचकों का कहना है कि बीजेपी सरकार ने यह निर्णय इसलिए लिया क्योंकि वह यूसीसी को लागू करने के लिए पर्याप्त तैयारी नहीं कर पाई है। कुछ का मानना है कि यह कदम स्थानीय निकाय चुनावों से पहले जनता का ध्यान बुनियादी मुद्दों जैसे बेरोजगारी, महंगाई और शिक्षा से हटाने की रणनीति का हिस्सा है।

यूसीसी को लागू करना कानूनी और सामाजिक रूप से एक जटिल प्रक्रिया

यूसीसी को लागू करना कानूनी और सामाजिक रूप से एक जटिल प्रक्रिया है, भारतीय संविधान के अनुच्छेद 44 में कहा गया है कि राज्य नागरिकों के लिए एक समान नागरिक संहिता लागू करने का प्रयास करेगा। हालांकि, यह एक नीति निर्देशक सिद्धांत है जो बाध्यकारी नहीं है, कई कानूनी विशेषज्ञों का मानना है कि यूसीसी लागू करने से पहले सभी समुदायों के साथ व्यापक विचार-विमर्श जरूरी है। आपको बता दें कि नागालैंड जैसे राज्यों में यूसीसी के खिलाफ भारी विरोध देखा गया है जहां संगठनों ने इसे स्थानीय परंपराओं के लिए खतरा बताया है। गुजरात में भी खासकर आदिवासी और अल्पसंख्यक समुदायों में यूसीसी के प्रति संशय बना हुआ है। विशेषज्ञों का कहना है कि अगर यूसीसी को जबरदस्ती लागू किया गया तो यह सामाजिक तनाव को बढ़ा सकता है।

यूसीसी भी उत्तराखंड की तरह आदिवासी परंपराओं को संरक्षित करेगा

गुजरात के गृह मंत्री हर्ष सांघवी ने दावा किया कि गुजरात का यूसीसी भी उत्तराखंड की तरह आदिवासी परंपराओं को संरक्षित करेगा। हालांकि विपक्ष का कहना है कि यह दावा खोखला है क्योंकि बीजेपी ने अब तक इस बात का कोई ठोस खाका पेश नहीं किया है कि आदिवासी और अल्पसंख्यक समुदायों की परंपराएं कैसे सुरक्षित रहेंगी।

मुस्लिम समुदाय के नेताओं ने भी अपनी आपत्तियां दर्ज की

मुस्लिम समुदाय के नेताओं ने भी यूसीसी को लेकर अपनी आपत्तियां दर्ज की हैं। गुजरात के मुस्लिम वकील संघ के संयोजक अरिफ अंसारी ने कहा कि जब बीजेपी पॉलिगैमी (बहुविवाह) को लेकर मुस्लिम समुदाय पर निशाना साधती है, तो उसे यह भी देखना चाहिए कि यह प्रथा अन्य समुदायों में भी प्रचलित है अगर एक समुदाय को इसकी इजाजत है, और दूसरे को नहीं तो यह समान नागरिक संहिता नहीं है। गुजरात की यूसीसी समिति का गठन उत्तराखंड के मॉडल से प्रेरित है जहां 27 जनवरी 2025 को यूसीसी लागू किया गया था। उत्तराखंड में लागू यूसीसी में शादी और तलाक के लिए अनिवार्य पंजीकरण, लिव-इन रिलेशनशिप्स को नियंत्रित करने वाले नियम और सभी समुदायों के लिए समान विरासत अधिकार जैसे प्रावधान शामिल हैं, हालांकि, उत्तराखंड के यूसीसी की कुछ शर्तों, जैसे लिव-इन रिलेशनशिप्स का अनिवार्य पंजीकरण की आलोचना हुई है वहीं आलोचकों का कहना है कि यह निजी स्वतंत्रता पर हमला है।

भाजपा चुनाव से पहले ही उठाती है मुद्दा : गढ़वी

आम आदमी पार्टी के गुजरात प्रमुख इसुदान गढ़वी ने भी बीजेपी पर निशाना साधा और उन्होंने कहा कि यूसीसी का मुद्दा हर बार चुनाव से पहले उठाया जाता है। गुजरात में 27 आदिवासी सीटें हैं और बीजेपी को डर है कि अगर यूसीसी लागू हुआ तो आदिवासी समुदाय के रीति-रिवाजों पर असर पड़ेगा, जिससे उनका वोट बैंक प्रभावित होगा। गढ़वी ने यह भी दावा किया कि बीजेपी इस मुद्दे को हिंदू-मुस्लिम के चश्मे से देख रही है, जो देश की एकता के लिए खतरनाक है। आपको बता दें कि कांग्रेस विधायक इमरान खेड़ावाला ने समिति में मुस्लिम समुदाय के धार्मिक नेताओं को शामिल न करने पर सवाल उठाए और उन्होंने कहा कि यूसीसी लागू करने वाली समिति में सभी समुदायों का प्रतिनिधित्व होना चाहिए। बीजेपी की मंशा साफ है कि वह इस मुद्दे को धार्मिक ध्रुवीकरण के लिए इस्तेमाल करना चाहती है। यूसीसी को लेकर सबसे ज्यादा चिंता आदिवासी और अल्पसंख्यक समुदायों में देखी जा रही है। आप विधायक चैतर वसावा ने समिति के सामने अपनी बात रखते हुए कहा कि आदिवासी समुदायों की परंपराएं और रीति-रिवाज यूसीसी के दायरे में आने से नष्ट हो सकते हैं और उन्होंने मांग की कि आदिवासियों को इस कानून के दायरे से बाहर रखा जाए। वसावा ने कहा कि हम संवाद के लिए तैयार हैं। लेकिन अगर आदिवासियों को यूसीसी में शामिल किया गया। तो हम सड़क से लेकर विधानसभा तक विरोध करेंगे।

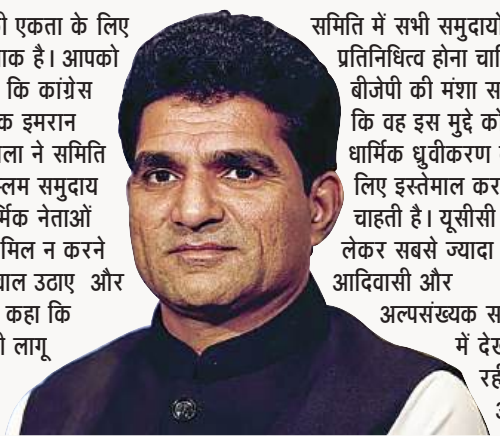

विपक्षी दलों ने इस कदम को बीजेपी की विभाजनकारी राजनीति का हिस्सा बताया

वहीं विपक्षी दलों ने इस कदम को बीजेपी की विभाजनकारी राजनीति का हिस्सा करार दिया है। कांग्रेस के प्रवक्ता मनीष दोशी ने कहा कि राज्य और केंद्र सरकार बुनियादी मुद्दों जैसे महंगाई और बेरोजगारी से ध्यान हटाने की कोशिश कर रही है। यूसीसी समिति का गठन और अब डेडलाइन का विस्तार सिर्फ एक राजनीतिक नाटक है और उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि अगर बीजेपी वास्तव में समानता के लिए प्रतिबद्ध है तो वह शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में समान नीतियां क्यों नहीं ला रही है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

पेड़ों को लगाकर ही बचा सकते हैं पानी

आज भी देश के कई इलाकों में लोगों को गर्मी के दिनों में कई-कई किलोमीटर दूर से पेयजल सिर पर लादकर लाना पड़ता है, यदि हर घर नल उपलब्ध हो तो गर्मियों में लोगों को काफी राहत मिलेगी। सरकार को हर किसी को सालभर में 12 पेड़ लगाना अनिवार्य कर देना चाहिए। इससे न केवल आसपास हरियाली बढ़ेगी। लोगों को प्राकृतिक वातावरण और ताजी हवा मिलेगी।

पिछले एक हफ्ते उत्तर भारत में भीषण गर्मी पड़ रही है। गर्मी की तेजी का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि सरकारों अलर्ट घोषित करना पड़ा और अपने अधिकारियों को इस बाबत निर्देश देन पड़े कि आम जन को गर्मी के दिनों में कोई परेशानी न हो। इसके अतिरिक्त भी शासन व प्रशासन को बेहतरीन व्यवस्था करनी होगी ताकि किसी भी प्रकार का आम जन को हानि न हो। लोगों को गर्मी में शुद्ध पेयजल की आपूर्ति होती रहे। सरकार की ओर से गर्मी में यही सुविधा आम जनता के लिए होनी आवश्यक है, आज भी देश के कई इलाकों में लोगों को गर्मी के दिनों में कई-कई किलोमीटर दूर से पेयजल सिर पर लादकर लाना पड़ता है, यदि हर घर नल उपलब्ध हो तो गर्मियों में लोगों को काफी राहत मिलेगी। सरकार को हर किसी को सालभर में 12 पेड़ लगाना अनिवार्य कर देना चाहिए। इससे न केवल आसपास हरियाली बढ़ेगी। लोगों को प्राकृतिक वातावरण और ताजी हवा मिलेगी।

बल्कि गर्मियों में उन पेड़ों की छांव से राहत भी मिलेगी। स्वास्थ्य केंद्रों में हीटवेव से बचाव के लिए मेडिकल सुविधा का प्रबंध करना सरकार की जिम्मेदारी है। ज्यादा ही गर्मी हो तो सड़कों पर पानी का छिड़काव कराया जाना चाहिए, ताकि आमजन को राहत मिले। बाजारों में जनसहयोग से ग्रीन नेट लगाकर छाया का प्रबंध हो। स्कूल/कालेजों की परीक्षाएं शीघ्र समाप्त हो और अवकाश दिया जाए। सार्वजनिक स्थलों पर पेयजल एवं पशु पक्षियों के लिए भी प्याऊ का प्रबंध जनसहयोग से सरकार को करना चाहिए। बता दें लोकसभा में 22 जुलाई 2019 को दी गयी जानकारी में बताया गया था कि 2014 से 2019 के पांच साल के अंतराल में 1.09 करोड़ पेड़ काटने की अनुमति दी गई। सबसे ज्यादा अनुमति 2018-19 में 2691028 पेड़ काटने की दी गई। यह संख्या तो अनुमति लेकर काटे गए पेड़ों की है। मानना है कि इससे भी कई गुना पेड़ प्रति वर्ष बिना अनुमति लिए कट जाते हैं। ये काम उन अधिकारियों से मिलकर होता है, जो पेड़ों के कटान रोकने के लिए जिम्मेदार है। 13 दिसंबर 2021 को संसद में पेश किए गए एक लिखित जवाब के मुताबिक वित्त वर्ष 2016-17 से 2020-21 के बीच देश भर में वन (संरक्षण) अधिनियम, 1980 के तहत जितने पौधे लगाए गए थे, उसमें से 4.84 करोड़ पौधे खत्म हो गए।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

रक्तदान को जन आंदोलन बनाने की जरूरत

चेतनादित्य आलोक

रक्त के बिना मानव शरीर हाड़-मांस के एक ढांचे से अधिक नहीं होता। वहीं, शरीर के सुचारु रूप से कार्य करने के लिए पर्याप्त रक्त की जरूरत होती है। यदि शरीर में रक्त का अभाव हो जाए तो व्यक्ति का जीवन खतरे में पड़ जाता है। वहीं, दुर्घटनाओं, जटिल सर्जरी, कैंसर के उपचार, थैलेसीमिया और हीमोफीलिया जैसे गंभीर रोगों से जूझ रहे रोगियों के लिए रक्त की उपलब्धता जीवन और मृत्यु का प्रश्न बन जाती है। जाहिर है कि यदि किसी बीमार या जरूरतमंद व्यक्ति को जरूरत के समय रक्त न मिले तो उसकी जान भी जा सकती है। यह विडंबना ही है कि आज दुनियाभर के निम्न और मध्यम आय वाले देशों में, रक्त की उपलब्धता में एक गंभीर और चिंताजनक असमानता बनी हुई है।

गौरतलब है कि रक्त किसी कारखाने में नहीं बनता, बल्कि यह केवल एक स्वस्थ मानव शरीर में ही पैदा होता है। ऐसे में, केवल स्वस्थ व्यक्तियों द्वारा किए जाने वाले रक्तदान से ही रक्त की कमी को पूरा किया जा सकता है। बता दें कि यदि रक्त की कमी को दूर कर लिया जाए तो प्रत्येक वर्ष जो 12000 भारतीय समय पर रक्त नहीं मिलने के कारण मर जाते हैं, उनकी जान बचाई जा सकती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने महान वैज्ञानिक और चिकित्सक कार्ल लैंडस्टाईन के जन्मदिन 14 जून को 'विश्व रक्तदाता दिवस' के रूप में मनाए जाने की शुरुआत 1997 में की थी। कार्ल लैंडस्टाइन ने मानव रक्त में उपस्थित एग्ल्युटिनिन की मौजूदगी के आधार पर रक्तकणों का 'ए', 'बी' और 'ओ' समूहों में वर्गीकरण कर चिकित्सा विज्ञान में महत्वपूर्ण योगदान दिया था। इस महत्वपूर्ण खोज के लिए उनको सन 1930 में शरीर विज्ञान में नोबेल पुरस्कार प्रदान किया गया था। विश्व रक्तदाता दिवस को लेकर डब्ल्यूएचओ का लक्ष्य दुनियाभर में सौ प्रतिशत स्वैच्छिक रक्तदान कार्यक्रम को सफल बनाना था। इसीलिए उसने इस कार्यक्रम में दुनिया के 124 प्रमुख देशों को शामिल कर उनसे स्वैच्छिक रक्तदान को बढ़ावा देने की अपील की थी। तब इस कार्यक्रम का प्रमुख उद्देश्य लोगों को रक्तदान करने के लिए प्रोत्साहित करना तथा रक्तदान से जुड़ी दुनियाभर में व्याप्त भ्रांतियों को दूर करना था।

विश्व रक्तदाता दिवस का वास्तविक उद्देश्य जरूरतमंद लोगों तक रक्त उपलब्ध कराना ही रहा है, ताकि रक्त के अभाव में किसी व्यक्ति की जान न जाए। साथ ही रक्त की आवश्यकता पड़ने पर किसी को रक्त खरीदने की नौबत न आए। विडंबना है कि कई देशों में आज भी रक्त की खरीद-बिक्री का बाजार गर्म पाया जाता है। दुर्भाग्य से, इस सूची में भारत

का नाम भी शामिल है, जबकि ब्राजील, ऑस्ट्रेलिया आदि देशों में लोग बिना पैसे लिए स्वैच्छिक रक्तदान करते हैं। हालांकि, तमाम विसंगतियों के बावजूद, रक्तदान को लेकर विभिन्न संस्थाओं एवं व्यक्तियों द्वारा विभिन्न स्तरों पर उठाए गए कदमों के कारण भारत में स्वैच्छिक रक्तदान को काफी बढ़ावा मिला है। चिकित्सकों का स्पष्ट मत है कि 18 वर्ष से अधिक एवं 65 वर्ष से कम उम्र का कोई भी स्वस्थ व्यक्ति रक्तदान कर सकता है। रक्तदान करने वाले व्यक्ति का वजन 45 किलोग्राम से अधिक होना चाहिए। एचआईवी से संक्रमित व्यक्ति को भूल से भी रक्तदान नहीं करना चाहिए। इसके अलावा, यदि किसी व्यक्ति को पूर्व में हेपेटाइटिस-बी या हेपेटाइटिस-सी जैसे रोग हुए हों, तो उसे भी रक्तदान नहीं करना चाहिए। रक्तदान करने से पहले व्यक्ति को प्रोटीनयुक्त आहार लेना चाहिए। साथ ही, शरीर में आयरन की मात्रा भरपूर रखने के लिए रक्तदाता को आयरनयुक्त वस्तुओं यथा किशमिश, पालक आदि का सेवन करना चाहिए। एक बार के रक्तदान में रक्त की पूर्ति शरीर चौबीस घण्टे के भीतर स्वयं ही कर लेता है, जबकि रक्त की गुणवत्ता की पूर्ति रक्तदान के 21 दिनों के भीतर हो जाती है। जो व्यक्ति नियमित रक्तदान करते हैं, उन्हें हृदय सम्बन्धी बीमारियां कम सताती हैं। वहीं, मानव रक्त की संरचना ऐसी होती है कि उसमें मौजूद रहने वाली लाल रक्त कोशिकाएं प्रत्येक तीन महीने में स्वयं ही मर जाती हैं। तात्पर्य यह कि प्रत्येक स्वस्थ व्यक्ति के लिए तीन महीने में एक बार रक्तदान करना लाभप्रद होता है। भारत में आज भी रक्त की कमी एक गंभीर चुनौती बनी हुई है, जो लाखों जिंदगियों के लिए खतरा साबित होने लगी है। आंकड़ों के अनुसार, देश में सालाना लगभग 1.3 करोड़ यूनिट रक्त की आवश्यकता होती है।

इसके बावजूद, प्रत्येक वर्ष देशवासियों को लगभग 19 लाख यूनिट रक्त की कमी का सामना करना पड़ता है। तात्पर्य यह कि देश के लिए जरूरी रक्त का लगभग 15 प्रतिशत हिस्सा अनुपलब्ध रहता है। यह कमी तब अधिक गंभीर हो जाती है, जब एनीमिया जैसी स्वास्थ्य समस्याएं देश की बड़ी आबादी, विशेषकर महिलाओं और बच्चों को बुरी तरह प्रभावित करती हैं। हालांकि, विडंबना यह भी है कि इस गंभीर कमी के बावजूद, रख-रखाव की कमी, अपर्याप्त भंडारण सुविधाओं और लॉजिस्टिक्स संबंधी चुनौतियों के कारण दान किए गए रक्त का एक बड़ा हिस्सा बर्बाद हो जाता है।

मौन की भाषा से रची कालजयी कृतियां

कलाकार और चिंतक बोलने के बजाय सुनने पर अधिक ध्यान देते हैं। वे जितने मौन रहते हैं, उनकी आंतरिक शक्तियां उतनी ही अधिक प्रबल होती हैं। यही कारण है कि कई कलाकारों की कलाकृतियां, धुनें, रचनाएं सदियों तक पृथ्वी पर अपनी उपस्थिति जमाए रखती हैं।

रेनू सैनी

शब्द सुंदर लगते हैं, जीवन को गति देते हैं, ध्वनि देते हैं। दो लोगों के बीच शब्द ही एक ऐसी दूरी है जो उनके बीच पुल का काम करती है। क्या होता है जब दो लोग एक-दूसरे की भाषा से परिचित नहीं होते। ऐसे में मौन उनकी भाषा बनता है। मौन अत्यंत सशक्त भाषा है। जो मौन की शक्ति और भाषा को पहचान जाता है, वह स्वयं को मानवीयता के श्रेष्ठ शिखर पर स्थापित कर लेता है। अनेक ऋषि-मुनि मौन व्रत रखते हैं। कई मौनी बाबा भी होते हैं जो मौन रहकर अपनी शक्ति से आम लोगों को परिचित कराते हैं। योग न केवल शरीर को निरोग रखता है, अपितु योग की अनेक प्रवृत्तियां व्यक्ति को सुख, शांति प्रदान करती हैं और उनकी छठी इंद्रिय को जाग्रत करती हैं। नाद योग के अंतर्गत ध्वनि को अत्यंत शक्तिशाली उपकरण के रूप में देखा जाता है। नाद योग में ध्वनि और कंपन के माध्यम से तन-मन, शरीर और आत्मा संतुलित होते हैं।

विभिन्न ध्वनियां जिसमें मौन भी शामिल है, शरीर के ऊर्जा केंद्रों को सक्रिय करती हैं। क्या आपने कभी मौन की भाषा को समझने का प्रयास किया है। कई बार जब दो लोग बातें करते-करते अनायास चुप हो जाते हैं, उनके बीच एक लंबी खामोशी पसर जाती है, एक विराम आ जाता है तो उस समय उस रिक्त स्थान पर मौन की उपस्थिति हो जाती है। यह अत्यंत शक्तिशाली माध्यम है। विश्व के सुप्रसिद्ध संगीतकार वोल्फगैंग अमाडेस मोजार्ट कहते हैं कि, 'किसी बात के मध्य का मौन उस बात के जितना ही महत्वपूर्ण होता है।' उन्होंने इस उद्धरण को स्वयं के साथ महसूस किया था। उनके दांपत्य जीवन को जोड़ने में मौन की भूमिका बेहद सशक्त रही। इसलिए वे मौन की शक्ति से परिचित थे। संगीतकार होने के कारण भी वह और उनकी प्रेमिका मौन के महत्व को जानते थे। मोजार्ट बचपन से ही प्रतिभा के धनी थे। मात्र तीन साल की उम्र में ही उन्हें संगीत की समझ हो गई थी।

पांच साल की उम्र में उन्होंने संगीत की रचना करनी आरंभ कर दी थी। आठ साल की उम्र में उन्होंने अपनी पहली सिम्फनी लिखी थी। वर्ष 1781 की एक सर्द शाम में उनकी नजर एक युवती कॉन्सटैंज वेबर पर पड़ी। वह 19 वर्ष की गायिका थी। उसके घर में संगीत का वातावरण था। वह छोटी उम्र से ही संगीत का प्रशिक्षण प्राप्त कर रही थी। कॉन्सटैंज को देखते ही मोजार्ट अपनी सुध-बुध खो बैठे। जब वह उनके सामने आई तो उनके मुख से शब्द ही नहीं निकले। एक मौन उन दोनों के बीच व्याप्त था। उस मौन की भाषा ने केवल उन्हें ही नहीं समझाया, अपितु उनके दिलों पर भी कब्जा कर लिया।

जो बातें शब्द न कह पाए, वह मौन ने मुखर होकर कह दिया कि दोनों को एक-दूसरे से प्रेम हो गया है। प्रेम की स्वीकृति मिलने पर दोनों के मन में शोर मचने लगा। नि:शब्द शोर। ऐसा शोर जो चुप रहकर अपना काम करता है और बहुत तेजी से करता है। कई बार दोनों घंटों साथ रहते, उनके बीच शब्दों का आदान-प्रदान कम होता और मौन की भाषा उनके दिलों को आपस में जोड़ती जाती। आखिर मौन की शक्ति ने काम किया और दोनों विवाह के अटूट बंधन में बंध गए। दोनों का दांपत्य जीवन बेहद सुखद रहा। हालांकि, मोजार्ट की असमय मृत्यु से उनका दाम्पत्य जीवन लंबा नहीं रहा। मगर विवाह के बाद मोजार्ट ने अपने ओपेरा, 'द एबडक्शन फ्रॉम द सेराग्लियो' और 'द मैरिज ऑफ फिगारो' से पूरी दुनिया में धूम मचा दी। मौन के साथ संबंधों में अधिक सुदृढ़ता कायम रहती है। जिन संबंधों में लोग मौन के साथ शब्दों का प्रयोग करते हैं, उनके संबंध अधिक सशक्त रहते हैं। जो व्यक्ति अपनी प्रभावशाली बातों से सबको मोहित कर लेता है, वह सब लोगों को अपने मोहपाश में जकड़ लेता है। वहीं कई बार ऐसे व्यक्ति जो बोलने के बजाय मौन पर अपना ध्यान केंद्रित करते हैं, वे प्रभावशाली बोलने वालों से अधिक योग्य और प्रतिभाशाली साबित होते हैं।

मौन में ज्ञान निहित होता है। कलाकार और चिंतक बोलने के बजाय सुनने पर अधिक ध्यान देते हैं। वे जितने मौन रहते हैं, उनकी आंतरिक शक्तियां उतनी ही अधिक प्रबल होती हैं। यही कारण है कि कई कलाकारों की कलाकृतियां, धुनें, रचनाएं सदियों तक पृथ्वी पर अपनी उपस्थिति जमाए रखती हैं। यह सदैव याद रखें कि सशरीर कोई व्यक्ति अमर नहीं होता। उनके शब्द, प्रतिभा और व्यक्तित्व मृत्यु के साथ मिट जाते हैं। अमिट रह जाती हैं तो वे कलाकृतियां, धुनें और रचनाएं जो मौन के साथ जन्म लेती हैं और सदा के लिए अमर हो जाती हैं। इसलिए यदि आपने अपने जीवन में अभी तक मौन का अभ्यास नहीं किया है, इसको नहीं समझा है तो समझिए क्योंकि यही मौन आपके व्यक्तित्व में चार चांद लगाएगा। आपके जीवन को सफल बनाएगा। आपके मौन की गूंज से जन्म लेने वाली स्थितियां और परिस्थितियां आगे चलकर अमर हो जाएंगी।

कमर में दर्द इन योगासनों से मिलेगी राहत

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में कमर दर्द एक आम समस्या बन गई है। लंबे समय तक बैठना, गलत तरीके से बैठना और तनाव इसकी बड़ी वजहें हैं। लेकिन हर बार इसे हल्का समझ कर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। ऐसा इसलिए क्योंकि कई बार कमर के किसी खास साइड में दर्द होना किसी गंभीर समस्या का संकेत हो सकता है। जी हां, दरअसल शरीर के दाहिने हिस्से में शरीर के कई जरूरी अंग होते हैं। जैसे कि लिवर, गोलब्लैडर, किडनी, कॉलन और छोटी आंत। ऐसे में इन किसी भी अंग में समस्या होने पर आपके दाहिने कमर में दर्द हो सकता है। इसके अलावा भी कमर के दाहिने हिस्से में दर्द के कई और कारण भी हो सकते हैं। अगर आप भी कमर दर्द से परेशान हैं, तो दवाओं से पहले योग को आजमाएं। योग न सिर्फ दर्द से राहत देता है, बल्कि रीढ़ को मजबूत और लचीला भी बनाता है। रोजाना कुछ खास योगासनों का अभ्यास कमर दर्द को कम करने में कारगर है। इन योगासनों में शलभासन और भुजंगासन शामिल हैं, जो आपकी कमर को स्वस्थ रख सकते हैं।

शलभासन

शलभासन या टिड्डी मुद्रा उन लोगों के लिए एकदम सही आसन है जो पीठ के निचले हिस्से में दर्द और अपच से पीड़ित हैं। यह आसन न केवल जांघों, ऊपरी जांघों और नितंबों की मांसपेशियों को टोन करने में मदद करता है, बल्कि यह पीठ के निचले हिस्से की मांसपेशियों को भी मजबूत करता है। इसके अलावा शलभासन, पूरे पेट और पेट के अंगों की मालिश करने में मदद करता है, जिससे आपके पाचन, मल त्याग और चयापचय से जुड़ी किसी भी समस्या को ठीक किया जा सकता है। इसे करने के लिए पेट के बल लेट जाएं, हथेलियां नीचे रखें और सांस लेते हुए पैरों को पीछे की ओर उठाएं। सिर और छाती को भी थोड़ा ऊपर उठाएं। 20-30 सेकंड तक इस मुद्रा में रहें, फिर धीरे से नीचे आएं। ये आसन रीढ़ को लचीलापन देता है और निचली कमर के दर्द को कम करता है।

रोज सुबह करें योग

ध्यार रखें कि ये तीनों आसन नियमित तौर पर करें, साथ ही सुबह खाली पेट योग करना अच्छा होता है। प्रतिदिन पांच मिनट ये योगासन करने से आपको जल्द फायदा दिखेगा। कमर दर्द की समस्या से तो छुटकारा मिलेगा ही, कई और शारीरिक परेशानियों से निजात मिल सकता है।

भुजंगासन

भुजंगासन कमर दर्द के लिए सबसे लोकप्रिय योगासनों में से एक है। भुजंगासन करने पर शरीर में लचकता आती है, खासकर कमर की मसल्स फ्लेक्सिबल होती हैं। कमर पर किसी तरह की अकड़न हो तो दूर हो जाती है और रीढ़ की हड्डी से जुड़ी दिक्कतों में राहत मिलती है। इस योगासन को करने पर पेट की दिक्कतें जैसे गैस, अपच और कब्ज दूर होने में मदद मिलती है। रक्त प्रवाह बेहतर होता है। कंधों की जकड़न ठीक होती है। पेट के बल लेटकर हथेलियों को कंधों के नीचे रखें। सांस लेते हुए छाती को ऊपर उठाएं और नजर सामने रखें। 15-20 सेकंड तक रुकें, फिर धीरे से नीचे आएं। ये आसन रीढ़ को खींचता है, पीठ की मांसपेशियों को मजबूत करता है और कमर दर्द से राहत देता है। इसे रोजाना 4-5 बार करें।

बालासन

बालासन संस्कृत का शब्द है जहां बाल का अर्थ बच्चे है। इस आसन को करते समय जमीन पर लेटे बच्चे की तरह आकृति बनती है और कूल्हे जमीन से ऊपर उठे हुए एवं घुटने जमीन से चिपके होते हैं इसलिए इस आसन को बालासन पोज कहा जाता है। बालासन का अभ्यास सही तरीके से करने से यह शरीर के कई विकारों को दूर करने में मदद करता है। बालासन, थकान को दूर करने में मदद करता है। जिन लोगों को चक्कर आने की शिकायत होती है उनके लिए यह आसन काफी फायदेमंद होता है। बालासन कमर को आराम देने और तनाव कम करने के लिए शानदार है। घुटनों के बल बैठें, सांस छोड़ते हुए आगे झुकें और माथा जमीन पर टिकाएं। हाथों को आगे या पीछे रख सकते हैं। 30 सेकंड तक इस मुद्रा में रहें। ये आसन रीढ़ को रिलैक्स करता है और कमर दर्द से राहत देता है।

हंसना मना है

लड़की: कितना प्यार करते हो मुझसे? लड़का: शाहजहां जैसा, लड़की: तो ताजमहल बनवाओ, लड़का: जमीन खरीद ली है, बस तुम्हारे मरने का इंतजार कर रहा हूं।

पप्पु बहूत देर से एक लड़की को घुर रहा था, लड़की : तेरे घर में मां बहन नहीं है क्या? पप्पु : है न तभी तो देख रहा हूं, क्योंकि मां को बहू और बहन को भाभी चाहिए।

दुनिया बुरी हो सकती है तुम नहीं, लोग बुरे हो सकते है तुम नहीं, दुनिया बेवफा हो सकती है तुम नहीं, पागल ठीक हो सकते हैं तुम नहीं।

एक लड़का पार्क में पेड़ के पीछे अपनी गर्लफ्रेंड के साथ खड़ा था, एक बुजुर्ग आदमी उस पेड़ के पास से गुजरा और बोला: बेटे क्या यह हमारी संस्कृति है? लड़का: नहीं अंकल, यह तो मल्होत्रा अंकल की टीना है, आप दुसरे पेड़ के पीछे चेक कर लीजिए शायद वहां हो।

पप्पू: मेरे बाप के आगे बड़े-बड़े लोग कटोरी लेके खड़े होते हैं, लड़की: अच्छा! कौन है तुम्हारा बाप? पप्पू: पानी पूरीवाला।

कहानी | किसी के बारे में पहले से धारणा न बनाएं

एक बार ट्रेन से पिता-पुत्र यात्रा कर रहे थे, पुत्र की उम्र करीब 24 साल की थी, पुत्र ने खिड़की के पास बैठने की ज़िद की, क्योंकि पिता खिड़की की सीट पर बैठे थे। पिता ने खुशी-खुशी खिड़की की सीट पुत्र को दे दी, और खुद बगल में बैठ गये। ट्रेन में आस पास और भी यात्री बैठे थे, ट्रेन चली तो पुत्र बड़ी उत्सुकता से चिल्लाने लगा देखो पिता जी नदी, पुल, पेड़ पीछे जा रहे है, बादल भी पीछे छूट रहे है। पिता भी उसकी हां में हां मिला रहे थे। उसकी ऐसी हरकतों को देखकर वहां बैठे यात्रियों को लगा कि शायद इस लड़के को कोई दिमागी समस्या है, जिसके कारण यह ऐसी हरकत कर रहा है। पुत्र बहुत देर तक ऐसी अजीबोगरीब हरकत करता रहा। तभी पास बैठे एक यात्री ने पिता से पूछा कि-आप अपने पुत्र को किसी अच्छे डॉक्टर को क्यों नही दिखाते? क्योंकि उसकी हरकत सामान्य नहीं है, हो सकता है की कोई दिमागी बीमारी हो। उस यात्री की बात सुनकर पिता ने कहा- हम अभी डॉक्टर के पास से ही आ रहे हैं। पिता की सुनकर यात्री को आश्चर्य हुआ। पिता ने बताया कि- मेरा पुत्र जन्म से ही अंधा था। कुछ दिन पहले ही इसको आंखों की रौशनी प्राप्त हुई है, इसे किसी दूसरे की आंखें लगाई गई हैं, और जीवन में पहली बार यह दुनिया को देख रहा है। यह इसलिए ऐसी हरकत कर रहा है, क्योंकि ये सारी चीजें इसके लिए एकदम नई है। ठीक वैसे ही जैसे किसी छोटे बच्चे के लिए होती हैं। पिता की बात सुनकर आस-पास बैठे लोगों को अपनी गलती का अहसास हुआ और उन्होंने पुत्र के पिता से माफी भी मांगी।

7 अंतर खोजें

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष यात्रा लाभदायक रहेगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। कोई बड़ी समस्या का हल सहज ही होगा। समय अनुकूल है। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा।

वृषभ परिवार के किसी व्यक्ति के स्वास्थ्य पर खर्च होगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी। चिंता तथा तनाव रहेंगे। जल्दबाजी न करें। विवाद को बढ़ावा न दें।

मिथुन आय में वृद्धि होगी। लाभ में वृद्धि होगी। कारोबार में वृद्धि होगी। शेयर मार्केट से लाभ होगा। व्यापार ठीक चलेगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। विरोधी सक्रिय रहेंगे।

कर्क आर्थिक उन्नति की योजना बनेगी। व्यापार लाभदायक रहेगा। मान-सम्मान मिलेगा। कार्यस्थल पर परिवर्तन हो सकता है। नए उपक्रम प्रारंभ हो सकते हैं। कार्यसिद्धि होगी।

सिंह नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। दुष्टजनों से सावधान रहें। प्रमाद न करें। धार्मिक अनुष्ठान में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा।

कन्या बनते कामों में विघ्न आ सकते हैं। चिंता तथा तनाव रहेंगे। बेकार बातों की तरफ ध्यान न दें। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय होगी। फालतू खर्च होगा। विवाद को बढ़ावा न दें।

तुला प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। व्यापार लाभदायक रहेगा। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा। मानसिक बेचैनी रहेगी। शत्रु पस्त होंगे।

वृश्चिक स्थायी संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। समय की अनुकूलता का लाभ लें।

धनु रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। पार्टी व पिकनिक का आनंद प्राप्त होगा। मित्रों के साथ समय मनोरंजक व्यतीत होगा। प्रसन्नता में वृद्धि होगी। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा।

मकर मेहनत अधिक होगी। लाभ के अवसर टलेंगे। मानसिक बेचैनी रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। लाभ होगा। कोई बड़ी बाधा उठ खड़ी हो सकती है। विवाद के बढ़ावा न दें।

कुम्भ व्यापार लाभदायक रहेगा। निवेश शुभ रहेगा। ऐश्वर्य के साधनों पर खर्च होगा। घर-बाहर सुख-शांति रहेगी। भाग्य का साथ रहेगा। प्रमाद न करें। मान-सम्मान मिलेगा।

मीन उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी। आत्मसम्मान बना रहेगा। बुद्धि का प्रयोग करेंग। कार्य में सफलता मिलेगी। पार्टनरों का सहयोग प्राप्त होगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा।

बॉलीवुड | मन की बात

महमूद ने करियर बनाया और बर्बाद भी कर दिया: ईरानी

अरुणा ईरानी इंडस्ट्री की चर्चित अभिनेत्रियों में शुमार रही हैं। उन्होंने ज्यादातर नेगेटिव रोल के जरिए लोकप्रियता हासिल की। इसके अलावा अपने डांस नंबर्स से भी उन्होंने दर्शकों का ध्यान खींचा। एक वक्त पर महमूद के साथ अरुणा ईरानी के अफेयर के खूब चर्चे रहे। ऐसे दावे भी किए गए कि दोनों ने शादी रचा ली है। इस तरह की खबरों पर हाल ही में अरुणा ईरानी ने प्रतिक्रिया दी। अरुणा ईरानी ने हाल ही में एक इंटरव्यू में यह स्वीकार किया कि वे महमूद के साथ रिलेशनशिप में थीं, लेकिन बाद में उन्हें अलग होना पड़ा, क्योंकि उस समय अभिनेता पहले से ही शादीशुदा थे। अरुणा ईरानी ने कहा, डांस डायरेक्टर सुरेश भट्ट ने मुझसे कहा तू महमूद को घास डाल, केवल वही तुम्हें काम दिला सकते हैं। लेकिन वहां भी मैं महमूद को हां और ना कहती रही। उनके प्रस्तावों को अस्वीकार करती रही, लेकिन उन्होंने मुझे इस पर भी काम देना शुरू कर दिया। धीरे-धीरे मेरे मन में उनके लिए एक सॉफ्ट कॉर्नर बन गया। अरुणा ईरानी ने आगे कहा, उनके जरिए मैंने पैसा, शोहरत, नाम देखा और मैंने सोचा कि मैं कब तक इस आदमी को बेवकूफ बनाऊंगी। फिर हम दोस्त बन गए और फिर दोस्त से ज्यादा, लेकिन उसके साथ बस इतना ही था। अभिनेत्री ने बताया कि काम पाने के लिए उन्होंने महमूद को खुश करने के लिए हर काम किया। अरुणा ईरानी ने कहा कि उन्होंने (महमूद) उनका करियर बनाया और उन्होंने ही बर्बाद कर दिया। उन्होंने कहा, हद से बाहर जाकर मैंने उन्हें खुश किया। अरुणा ईरानी ने एक घटना का जिक्र करते हुए कहा, विनोद खन्ना ने महमूद से पूछा कि क्या मैं उनकी फिल्म में उनकी नायिका की भूमिका निभा सकती हूं। उन्होंने महमूद से पूछा कि क्या हम दोनों शादीशुदा हैं? महमूद ने बस मेरी तरफ देखा और मुस्कुराए और कुछ नहीं कहा। तो उन्होंने मेरा करियर भी बनाया और बर्बाद भी किया। अरुणा ने महमूद के साथ ब्रेकअप का कारण बताते हुए कहा, उनके परिवार ने उन्हें मेरे साथ काम करने से रोका और इसलिए उन्होंने मेरे साथ काम करना बंद कर दिया। उसके बाद मेरा उनसे कोई रिश्ता नहीं रहा।

चित्रांगदा ने किया हाउसफुल 5 का बचाव

फिल्म हाउसफुल 5 पर इल्जाम लग रहे हैं कि इसमें महिलाओं का प्रदर्शन किया गया है। इसके लिए फिल्म की आलोचना हो रही है। इस पर फिल्म की अभिनेत्री ने हाउसफुल 5 का बचाव किया है। चित्रांगदा सिंह ने कहा है कि सिनेमा को उसकी शैली के हिसाब से देखना चाहिए। हर फिल्म नौतिक या राजनीतिक नहीं होती है। बॉलीवुड हंगामा से बातचीत में चित्रांगदा सिंह ने कहा मुझे लगता है कि हर फिल्म की शैली अलग होती है। उसके लिए एक सुर एक लय होती है। उन्होंने उस बात का जवाब दिया जिसमें कहा गया है कि हाउसफुल 5 वस्तुकरण करती है। चित्रांगदा सिंह ने कहा अक्षय कुमार ने जो कुछ किया वह हाउसफुल 5 नहीं है। उन्होंने पैडमैन, टॉयलेट: एक प्रेम कथा और केसरी जैसी फिल्में की है। चित्रांगदा ने आगे बताया कि उन्होंने एक कलाकार के तौर पर सामाजिक रूप से सशक्त महिला से लेकर ग्लैमरस भूमिकाएं निभाई हैं। उन्होंने कहा मैंने हजारों ख्वाहिशें ऐसी और इंकार जैसी फिल्मों में काम किया है, मैंने बहुत सशक्त किरदार निभाया है लेकिन एक अभिनेत्री के तौर पर वे किरदार भी मेरा हिस्सा हैं। मैंने काफिराना और कुंडी जैसे गानों में भी अभिनय किया है, इसका मतलब ये नहीं कि मैं भी ऐसी ही हूं। चित्रांगदा ने कहा यह फिल्म अलग तरह की है। इसे सेंसर बोर्ड ने मान्यता दी है। मुझे लगता है कि कभी-कभी हमें अलग मूड में होने की जरूरत होती है। हर चीज राजनीतिक या सामाजिक रूप से सही नहीं होती है। हम हर किसी को छड़ी से नहीं हांक सकते। फिल्म का मकसद है मनोरंजन करना। आपको बता दें तरुण मनसुखानी के निर्देशन में बनी हाउसफुल 5 में एडल्ट कॉमेडी है। फिल्म में अक्षय कुमार के अलावा रितेश देशमुख, अभिषेक बच्चन, फरदीन खान, डीनू मौर्या, जॉनी लीवर, चंकी पांडे, जैकलीन फर्नांडीज, नरगिस फाखरी, नाना पाटेकर, जैकी श्रॉफ, रणजीत, नितिन धीर, सोनम बाजवा और सौंदर्या शर्मा हैं।

कहा- हर फिल्म सामाजिक तौर से सही नहीं होती

फूफा जी हमेशा दिलों में रहेंगे: प्रियंका

बॉलीवुड अभिनेत्री से ग्लोबल आइकॉन बन चुकी प्रियंका चोपड़ा के परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। दरअसल प्रियंका के फूफा जी यानी कजिन सिस्टर मनारा चोपड़ा के पिता रमन हांडा का निधन हो गया। 72 साल की उम्र में उन्होंने दुनिया को अलविदा कह दिया। अब प्रियंका चोपड़ा ने अपने अंकल के निधन पर अपना रिएक्शन दिया है। प्रियंका चोपड़ा ने अपने अंकल को याद करते हुए इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी शेयर की। प्रियंका ने लिखा- आप हमेशा हमारे दिलों में रहेंगे। आपकी आत्मा को शांति मिले अंकल जी। ओम शांति। बता दें 16 जून को जब प्रियंका अपनी मां मधु चोपड़ा का जन्मदिन मना रही थीं तभी उनकी कजिन सिस्टर मनारा चोपड़ा के पिता ने दुनिया को अलविदा कह दिया। बता दें मनारा चोपड़ा को जैसे ही अपने पिता के निधन की खबर मिली, वो दौड़ी-दौड़ी मुंबई वापस लौटीं। एक्ट्रेस पिता की मौत के बाद एयरपोर्ट पर स्पॉट हुईं। इस दौरान वो काफी परेशान दिखीं। गौरतलब है मनारा चोपड़ा ने बीते दिन एक पोस्ट के जरिए बताया कि उनके पिता रमन राय हांडा का निधन हो गया है। इस दौरान वह बहुत उदास, हताश और परेशान दिख रही थीं। उनके चेहरे पर अपने पिता को खोने का दर्द साफ दिख रहा था। उन्होंने एक पोस्ट करते हुए लिखा, बहुत दुख और पीड़ा के साथ हम अपने प्यारे पिता के दुखद निधन की जानकारी देते हैं, जो 16 जून को हमें छोड़कर चले गए। वो हमारे परिवार के लिए शक्ति और मजबूत स्तंभ थे। पैपराजी पेज ताहिर जासूस के इंस्टाग्राम पेज पर मनारा का वीडियो शेयर किया गया है।

रमन हांडा ने 72 साल की उम्र में दुनिया को कहा अलविदा

यहां की लड़कियां अनजान मर्दों संग लॉन्ग ड्राइव पर जाने के देती हैं पैसे

आजकल की जेनरेशन कितनी ज्यादा अकेली हो गई है, इसका अंदाजा आप इस बात से ही लगा लीजिए कि अब ये पीढ़ी हकीकत में लोगों से जुड़ने की बजाय एआई चैट बॉय और डिजिटल दुनिया में लोगों से जुड़ना पसंद करती है। पर चीन में तो अलग ही हालत है। यहां पर लड़कियां इतनी अकेली हो गई हैं कि वो अब मन की बातें करने के लिए अनजान लोगों का साथ खोजती हैं। इसी वजह से चीन में लड़कियां, हैंडसम, महंगी कारों वाले लड़कों को रुपये देती हैं और फिर उनके साथ लॉन्ग ड्राइवर पर जाती हैं, जहां उनके साथ वो मन की बातें करती हैं। दक्षिणी चीन के शहरों में एक नया और अनोखा ट्रेंड तेजी से लोकप्रिय हो रहा है, जिसे सिटी राइड कहा जा रहा है। इस सेवा के तहत युवतियां केवल 99 युआन (लगभग 800) खर्च करके फिट और आकर्षक पुरुषों के साथ लग्जरी कारों में शहर में घूमने का आनंद ले रही हैं। यह न केवल सफर है, बल्कि एक तरह का इमोशनल सपोर्ट भी बन गया है। यह ट्रेंड मुख्य रूप से शंघाई, हांगझोऊ और शियामेन जैसे शहरों में देखा जा रहा है। यहां युवाओं का एक वर्ग- जिन्हें इंटरनेट पर मैन बोधिसत्व कहा जाता है- लग्जरी गाड़ियों में महिलाओं को सवारी की पेशकश करता है। ये पुरुष आमतौर पर विश्वविद्यालयों के छात्र होते हैं, जो अपने परिवार की महंगी गाड़ियों का उपयोग करते हैं और सोशल मीडिया पर खुद को प्रमोट करते हैं। वुहान के एक युवक ने बताया कि वह अपनी Ferrari में आधे घंटे के लिए 99 युआन में सवारी करवाते हैं। वह खुद को रेसिंग के दीवाने और सकारात्मक सोच वाला बताते हैं। सफर के दौरान वे कार्यस्थल की थकान, रिश्तों की उलझन या किसी भी निजी समस्या पर बात करने को तैयार रहते हैं। तो सवाल ये उठता है कि क्या ये सिर्फ ड्राइव होती है? बिलकुल नहीं! ये सवारी केवल गाड़ी की सवारी नहीं बल्कि एक तरह की भावनात्मक राहत बन गई है। फुजियान प्रांत के वांग, जिन्होंने अब तक छह महिलाओं को सवारी कराई है, बताते हैं कि लड़कियां अकसर अपने रिश्तों की बात करती हैं। मैं उन्हें उनके बॉयफ्रेंड्स के व्यवहार को समझने में मदद करता हूं।

अजब-गजब | पूरे शहर के कोने-कोने में है भूतों का डेरा

हर जगह होते हैं अजीब से अनुभव!

दुनिया में कई इलाके हैं जहां भूतों का वास बताया जाता है। पर बहुत कम ऐसे शहर हैं जिन्हें भुतहा कहा जा सकता है। ऐसे शहरों में जगह जगह भूतों की मौजूदगी की घटनाएं होती रहती है। पर ब्रिटेन का ग्लस्टनबरी इस मामले में कुछ अनूठा शहर है। इसे ब्रिटेन की रहस्यमयी राजधानी कहा जाता है। यहां बहुत सी जगहें हैं जो भूतों से जुड़ी है। लेकिन उनकी एक नहीं बहुत सारी कहानियां हैं। 500 साल पुराना जॉर्ज एंड पिलग्रिम्स इन अपनी सर्पिल सीढ़ियों और प्राचीन लकड़ियों के लिए जाना जाता है। लेकिन यहाँ 30 अलग-अलग भूतों का बसेरा है। इनमें एक हुड वाला भिक्षु सबसे डरावना है। यह भूत रात में गलियारों में घूमता है। कहा जाता है कि इस भिक्षु का एक महिला के साथ गुप्त प्रेम था। अपराधबोध में उसने आत्महत्या कर ली। उसका भूत आज भी यहां भटकता है। पब के कर्मचारी अजीब घटनाओं की बात करते हैं। तापमान अचानक गिर जाता है। नल अपने आप खुलते और बंद होते हैं। गहरे तहखानों में कदमों की आहट और आकृतियां दिखती हैं। एक 'सफेद साड़ी वाली महिला' को लोगों के बीच घूमते देखा गया है। सीसीटीवी में तैरती रोशनी की गोलियां दिखाई दी हैं। ग्लास्टनबरी मठ की कहानी भी कम डरावनी नहीं है। कहा जाता है कि 16वीं सदी में हेनरी ने इस मठ को नष्ट करने का आदेश दिया। उन्होंने जॉर्ज एंड पिलग्रिम्स इन से इसे जलते देखा। आज भी यहां भिक्षुओं के भूत दीवारों से गुजरते दिखते हैं। कुछ लोग बिना शरीर की आवाज़ में भक्ति भजनों को सुनते हैं। इसके अलावा और भी कई जगह भूत हैं। ग्लास्टनबरी के पास 1685 में सेडगमूर की खूनी लड़ाई हुई थी। ड्यूक ऑफ मॉनमाउथ की बगावत विफल रही थी। शहर में फांसी पर लटकाए गए विद्रोहियों के भूत आज भी असेंबली रूम्स के पास दिखते हैं। कुछ लोग रात में हाई स्ट्रीट पर सैनिकों के कदमों की आवाज़ सुनते हैं। मशहूर जादूगरनी डायन फॉर्च्यून यहां रहती थीं। आज यह न्यू एज समुदाय का केंद्र है। यहां क्रिस्टल, आध्यात्मिकता और जादू-टोने की 20 से अधिक दुकानें हैं। ग्लास्टनबरी की जगहों पर ही भूत नहीं नहीं मिलते हैं। यहां हर साल होने वाला ग्लास्टो फेस्टिवल भी भूतों की कहानियों से अछूता नहीं है। 2023 में 25 साल की जॉर्जिया बीच ने स्टोन सर्कल में आग की वीडियो बनाते समय एक रहस्यमयी आकृति देखी। उन्होंने कहा, यह एक आकृति थी जो उड़कर हवा में गायब हो गई। शायद यह कोई आत्मा थी। ग्लास्टनबरी का हर कोना रहस्य और डर से भरा है। यह शहर भूतों, किंवदंतियों और अलौकिक शक्तियों का घर है। बहुत से घोस्ट हंटर्स यहां आ चुके हैं और अपने अनुभव दुनिया से शेयर कर चुके हैं। कई लोग यहां केवल डरावने अनुभव के लिए ही यहां आना पसंद करते हैं। यहां आने वाले हर शख्स के लिए, हर जगह की एक अलग कहानी है।

एनडीए मतलब नेशनल दामाद आयोग : तेजस्वी

राजद नेता पर हम पार्टी के नेता का पलटवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार में दामाद आयोग और जमाई आयोगके नाम पर सियासत जारी है। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव एक्स अकाउंट से एक एआई वीडियो पोस्ट करते हुए कहा कि अगर आप किसी के जमाई हैं तो प्रधानमंत्री मोदी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा संरक्षित बिहार राज्य दामाद आयोग में अप्लाई नहीं कर सकते हैं क्योंकि इसके सर्वाधिकार खास लोगों तक ही सीमित है। उन्होंने अपने पोस्ट में लिखा है, एनडीए (नेशनल दामाद आयोग) में आपका भी अभिनंदन नहीं है! तेजस्वी के इस पोस्ट को री-ट्वीट कर केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने पलटवार किया है।

उन्होंने कहा, बदला लेंगे, बदल देंगे, तोड़ेंगे आपका घमंड। अपने पोस्ट में जीतन राम मांझी आगे लिखते हैं, विपक्ष पर आरोप लगाने के लिए आपको हमारे मुसलमान भाई ही मिले ना वोट दें मुसलमान, राज करेंगे लालू यादव, वोट करें मुसलमान, नेता प्रतिपक्ष बनेंगे तेजस्वी यादव, वोट देंगे मुसलमान, राज्यसभा जाएंगी मीसा दीदी, आपके लिए बहस करेंगे मुसलमान, मंत्री बनेंगे तेज प्रताप। विपक्ष पर आरोप लगाने के लिए आपको हमारे मुसलमान भाई ही मिलें ना?

अब दरी नहीं बिछाएंगे मुसलमान और दलित : मांझी

जीतन राम मांझी ने सिंगापुर रहने वाली लालू की बेटी रोहिणी आचार्य को आड़े हाथों लिया। पोस्ट में लिखा, विदेशों से आकर वोट करेंगे मुसलमान, सिंगापुर से आकर चुनाव लड़ेंगी रोहिणी आचार्य, रैली में जाएंगे मुसलमान, विधान परिषद में नेता बनेंगी राबड़ी देवी, तेजस्वी आखिर कब तक आप और आपका परिवार मुसलमान भाइयों को अपना गुलाम समझेगा? मुसलमानों का साथ, हमारे परिवार का विकास, अब यह नहीं चलेगा। अब मुसलमान और दलित आपकी दरी नहीं बिछाएंगे।

सीएम करें पीएम से बात : संजय सिंह

संजय सिंह ने कहा, दिल्ली में बिहार के लोगों की दुकानों और घरों को गिराया जा रहा है। मुख्यमंत्री को इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री से बात करनी चाहिए। 'जहां झुग्गी, वहीं मकान' का वादा किया गया था, लेकिन अब उन्हीं झुग्गियों को उजाड़ा जा रहा है। दिल्ली में विश्वासघात, बिहार में दोस्ती ये नहीं चलेगा। जो भाजपा दिल्ली से बिहारी भाइयों को खदेड़ रही है, उसे बिहार से खदेड़ दो। दिल्ली में बिहार के लोगों के घरों को तोड़े जाने के खिलाफ पटना में विशाल प्रदर्शन हुआ। वहीं राज्यसभा सांसद ने ऐलान किया कि पार्टी आगामी बिहार विधानसभा चुनाव में सभी 243 सीटों पर अपने प्रत्याशी उतारेगी। उन्होंने बताया कि यह निर्णय पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल और बिहार प्रदेश समिति से विचार विमर्श के बाद लिया गया है। यह फैसला अरविंद केजरीवाल और बिहार समिति से विस्तृत चर्चा के बाद लिया गया है। यह घोषणा ऐसे समय पर हुई जब दिल्ली में चल रही अतिक्रमण विरोधी कार्रवाई के विरोध में पटना में आम आदमी पार्टी ने जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान संजय सिंह ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से आग्रह किया कि वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बात कर दिल्ली में झुग्गियों और दुकानों को तोड़े जाने की कार्रवाई को रोकें।

आजम खान के खिलाफ बेदखली मामले में अंतिम आदेश पारित करने पर रोक

तीन जुलाई को नए सिरे से होगी सुनवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। न्यायमूर्ति दिनेश पाठक ने सह आरोपी मोहम्मद इस्लाम उर्फ इस्लाम ठेकेदार और अन्य द्वारा दायर एक याचिका पर यह आदेश पारित किया। अदालत ने इस मामले पर तीन जुलाई को नए सिरे से सुनवाई करने का निर्देश देते हुए स्पष्ट किया कि अधीनस्थ न्यायालय में सुनवाई जारी रहेगी। हालांकि तीन जुलाई को होने वाले सुनवाई तक कोई अंतिम आदेश पारित नहीं किया जाएगा।मामला 15 अक्टूबर, 2016 की कथित घटना से जुड़ा है, जिसमें यतीम खाना (वक्फ संख्या 157) नाम से अनाधिकृत ढांचे को ध्वस्त किया गया था। इस मामले में 2019 और 2020 के बीच रामपुर जिले के कोतवाली थाना में 12 प्राथमिकियां दर्ज की गई थीं।

शुरुआत में इन प्राथमिकियों को लेकर अलग-अलग मुकदमे चलाए गए, जिन्हें रामपुर जिले के विशेष न्यायाधीश (सांसद-विधायक) द्वारा आठ अगस्त 2024 को समेकित कर दिया गया। मामले में शामिल सभी आरोपियों पर तत्कालीन भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) के तहत डकैती, घुसपैठ और आपराधिक षड्यंत्र के आरोप हैं। अदालत ने 11 जून को याचिकाकर्ताओं के वकील की दलीलें सुनने के बाद यह निर्णय दिया और कहा कि अधीनस्थ न्यायालय जून महीने के भीतर ही मुकदमा निस्तारित करने के लिए संकल्पबद्ध है, जिससे प्रक्रियात्मक निष्पक्षता के बारे में आशंका पैदा होती है। इस मामले से जुड़ी एक घटना में आजम खान और उनके साथी वीरेंद्र गोयल द्वारा दायर याचिका पर आज सुनवाई होनी है।

अवसरवादियों के लिए एनसीपी में कोई जगह नहीं : शरद पवार

महाराष्ट्र के पूर्व सीएम बोले- मैं गांधी-नेहरू, फूले और अंबेडकर की विचारधारा को मानने वाला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। एनसीपी (शपा) सुप्रीमो शरद पवार ने अपने भतीजे अजित पवार की अवसरवादी राजनीति पर परोक्ष रूप से कटाक्ष करते हुए कहा कि कुछ लोग सिर्फ सत्ता के लिए भाजपा से जुड़े हैं। पिंपरी चिंचवाड़ में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए पवार ने संकेत दिया कि वह गांधी, नेहरू, फुले और अंबेडकर की विचारधारा को मानने वालों को साथ लेने के लिए तैयार हैं, लेकिन अवसरवाद की राजनीति करने वाले किसी भी व्यक्ति को कभी स्वीकार नहीं करेंगे।

उन्होंने कहा कि यहां किसी ने अभी- अभी कहा कि सबको साथ लेकर चलने की जरूरत है। सबको साथ लेकर चलने में कोई दिक्कत नहीं है, लेकिन सब कौन हैं? किसी का नाम लिए बिना उन्होंने कहा कि कुछ लोग पार्टी छोड़कर चले गए हैं और नए लोग शामिल हो रहे हैं। उन्होंने कहा, सभी का मतलब उन व्यक्तियों से था जो गांधी, नेहरू, ज्योतिबा फुले और बी आर अंबेडकर की विचारधारा को मानते हैं।

भाजपा के दावे जमीन पर खोखले: पूनिया

कांग्रेस नेता बोले- मप्र व हरियाणा में खिलाड़ी खा रहे ठोकर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

ग्वालियर। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के केंद्रीय पर्यवेक्षक और अंतरराष्ट्रीय पहलवान बजरंग पुनिया ने मध्यप्रदेश में राष्ट्रीय खिलाड़ियों को नौकरी न मिलने के सवाल पर कहा, बीजेपी के शासनकाल में यही हालात हैं। हरियाणा में भी जब से बीजेपी सरकार आई है, कई खिलाड़ी ऐसे हैं जिन्हें अब तक नौकरी नहीं मिली। सरकार दावा तो करती है कि वह खेल और खिलाड़ियों को बढ़ावा दे रही है, लेकिन जमीनी स्तर पर कुछ भी नहीं हो रहा है। इसी कारण से खिलाड़ी दर-दर की ठोकरें खा रहे हैं।

इस समय पूरे देशभर में संगठन को मजबूत करने के लिए अभियान चलाया जा रहा है। पार्टी में भीतरघात करने वाले नेताओं को लेकर उन्होंने कहा, पहले जो बड़े नेता होते थे, वे पर्ची के माध्यम से पार्टी में पद देते थे, लेकिन अब खुद राहुल गांधी इस व्यवस्था के खिलाफ लड़ाई लड़ रहे हैं। अब पार्टी में योग्य कार्यकर्ताओं को ही पद दिए जाएंगे। मध्य प्रदेश में कांग्रेस लगातार अपने ही नेताओं और कार्यकर्ताओं के कारण सत्ता से बाहर है। पार्टी को नए सिरे से खड़ा करने का प्रयास किया जा रहा है, लेकिन कांग्रेस नेताओं की आपसी गुटबाजी थमने का नाम नहीं ले रही। राजधानी भोपाल के नाइन मसाला होटल में संगठन सृजन की बैठक में दो गुट आपस में भिड़ गए इस दौरान कांग्रेसियों में जमकर मारपीट हुई। दोनों ही गुट कुछ देर बाद पुलिस थाने पहुंचे। जानकारी के अनुसार भोपाल मध्य से कांग्रेस के विधायक आरिफ मकसूद फैंस क्लब सदस्य और साजिद अली समर्थकों में जमकर मारपीट हुई। मारपीट का वीडियो खूब वायरल हो रहा है।

राहुल गांधी पार्टी को मजबूत करने में जुटे

पत्रकारों से चर्चा करते हुए बजरंग पुनिया ने बताया कि राहुल गांधी ने भोपाल में चार महत्वपूर्ण बैठकें कीं, जिनमें पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटी, विधायक दल, पर्यवेक्षक, पीसीसी और जिला अध्यक्षों की बैठकें शामिल थीं। उन्होंने बताया कि संगठन सृजन अभियान की शुरुआत की गई है, जिसके अंतर्गत 61 एआईसीसी पर्यवेक्षक और प्रत्येक जिले में तीन पीसीसी सदस्यों सहित चार सदस्यीय टीम गठित की गई है। यह टीम हर जिले में न्यूनतम 7 दिन का प्रवास करेगी और संवाद कार्यक्रम आयोजित करेगी।

इंग्लैंड दौरा : सिर्फ तीन टेस्ट खेलेंगे बुमराह

बुमराह बोले- मैं जो भी मैच खेलूंगा अपना सर्वश्रेष्ठ दूंगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लीड्स। भारतीय टीम के अनुभवी तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने इस बात की पुष्टि की है कि वह इंग्लैंड के खिलाफ हेंडिग्ले में होने वाले पहले टेस्ट मैच के लिए उपलब्ध रहेंगे। फिटनेस को लेकर संशय के बीच बुमराह ने कहा है कि वह पहले मैच में खेलने के लिए तैयार हैं। हालांकि, उन्होंने साथ ही बताया कि उनकी रणनीति सीरीज में तीन मैच खेलने की है। भारत और इंग्लैंड के बीच 20 जून से पांच मैचों की टेस्ट सीरीज शुरू हो रही है।

बुमराह ने कहा कि पहले मैच में तो वह खेलेंगे ही, जबकि अन्य मैचों में उनकी उपलब्धता मैच की परिस्थिति और शारीरिक तौर पर वह कितने फिट हैं, उस पर निर्भर करेगी। हमें देखना होगा कि चीजें कैसे आगे बढ़ती हैं, कार्यभार, मैच परिदृश्य, यह सब। उन्होंने कहा, इसका दूसरा पहलू भी है। एक कप्तान के तौर पर मैं सिर्फ यह कहकर शर्तें नहीं तय कर सकता था कि मैं सिर्फ तीन मैच खेलूंगा। इससे टीम को सही संदेश नहीं जाता। मैं जितने भी मैच खेलूंगा, उसमें अपना सर्वश्रेष्ठ दूंगा। इस दौरे पर शुभमन गिल भारतीय टीम की कमान संभालेंगे और बुमराह गेंदबाजी विभाग में सबसे अनुभवी खिलाड़ी होंगे। रोहित शर्मा और विराट कोहली की अनुपस्थिति में बुमराह का अनुभव टीम के लिए और भी महत्वपूर्ण हो जाता है।

हर्षित राणा कवर के तौर पर टीम में शामिल

इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज से पहले तेज गेंदबाज हर्षित कवर के तौर पर भारतीय टीम में शामिल किया गया है। वह टीम के अन्य सदस्यों के साथ ट्रेन से लीड्स पहुंचे जहां भारत को 20 जून से पहला टेस्ट मैच खेलना है। हर्षित भारत ए टीम का हिस्सा थे और उन्होंने इंग्लैंड लायंस के खिलाफ पहले अनौपचारिक टेस्ट में हिस्सा लिया था। हर्षित ने पिछले साल ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भारतीय टीम के लिए डेब्यू किया था, लेकिन उन्हें इंग्लैंड के खिलाफ 18 सदस्यीय टीम में जगह नहीं दी गई थी। 23 वर्षीय इस तेज गेंदबाज ने भारत के लिए अब तक दो टेस्ट, पांच वनडे और एक टी20 मुकाबला खेला है।

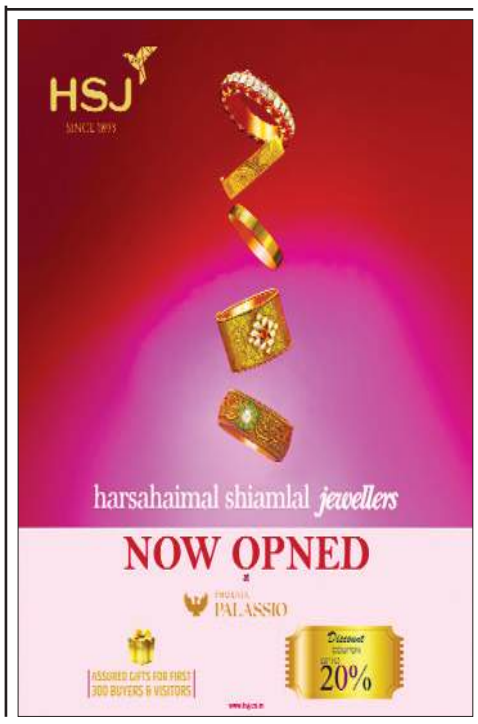

जलभराव-जाम ने खोली सरकार और निकायों की तैयारियों की पोल

बारिश से दिल्ली समेत यूपी के कई शहर बेहाल, भाजपा और आप में वार-पलटवार

4पीएम न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली समेत उत्तर भारत के कई शहरों में जहां तेज बारिश ने लोगों को गर्मी से राहत दिलाई, लेकिन हर साल की तरह स्थानीय निकायों, राज्य सरकारों और अन्य संबंधित एजेंसियों की मानसून से पहले की गई तैयारियों की पोल खोलकर रख दी।

कुछ ही घंटों की तेज बारिश ने कई जगह सड़कों को जलमग्न कर दिया, जिससे कई प्रमुख मार्गों पर भारी जाम की स्थिति बन गई। हालांकि, कई जगह पर ट्रैफिक पुलिस और स्थानीय निकायों की टीमें मौके पर तैनात रहीं, लेकिन भारी जलभराव के कारण राहत कार्यों में बाधा आई।

दिल्ली व एनसीआर में हालत बदतर

सबसे अधिक असर धौला कुआं से एयरपोर्ट और गुरुग्राम की ओर जाने वाले नेशनल हाईवे-48 पर देखने को मिला, यहां घंटों तक वाहन रेंगते नजर आए। महिपालपुर, वसंत कुंज, धौला कुआं और आईजीआई एयरपोर्ट की ओर जाने वाले मार्गों पर गाड़ियों की कतारें लगी रहीं। लोग घंटों तक फंसे रहे। बारिश ने पश्चिमी, उत्तर-पश्चिमी व बाहरी दिल्ली के कई इलाकों को भी चपेट में लिया। कई रिहायशी इलाकों से भी जलभराव की शिकायतें सामने आईं। एमसीडी के पास दर्ज कराई गई शिकायतों के अनुसार, कर्मपुरा, कीर्ति नगर, सुदर्शन पार्क, जनकपुरी, रोहिणी सेक्टर-25, शास्त्री नगर, भलस्वा डेयरी, मुखर्जी नगर, धीरपुर और पश्चिम विहार के लोगों को जलभराव के कारण घरों तक पहुंचने में परेशानी हुई। वसंत कुंज के नवादा इलाके में राधे-राधे वेलफेयर सोसाइटी के पास भी सड़कें पानी में डूब गईं।

सोशल मीडिया पर तस्वीरें वायरल

सोशल मीडिया पर लोगों ने बारिश के दौरान बने हालात की तस्वीरें और वीडियो साझा किए, जिनमें जलभराव से भरी सड़कों व जाम की भयावहता साफ नजर आई। यूजर्स ने दिल्ली सरकार, एमसीडी और अन्य एजेंसियों की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि हर साल बारिश के समय यही स्थिति होती है, लेकिन कोई स्थायी समाधान अब तक नहीं निकल पाया।

खराब मौसम के कारण उड़ानें प्रभावित

दिल्ली हवाईअड्डे पर खराब मौसम के कारण 14 उड़ानों को दूसरे शहरों में भेजना पड़ा। 400 उड़ानें देरी से हुईं। आंधी से कई जगह पेड़ भी धराशायी हो गए। दिल्ली में 10.4 मिमी बारिश दर्ज की गई। पालम इलाके में सर्वाधिक 37.2 मिमी और आयानगर में 22.8 मिमी बारिश हुई। कई जगह ओले भी गिरे। मंगलवार को अधिकतम तापमान सामान्य से 2.6 डिग्री कम 36.2 डिग्री और न्यूनतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। मौसम विभाग ने बुधवार को भी बारिश और आंधी का यलो अलर्ट जारी किया है और लोगों को बिना वजह घर से बाहर नहीं निकलने की सलाह दी है।

ईडी ने 37 ठिकानों पर की छापेमारी

4पीएम न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली क्लासरूम निर्माण घोटाला मामले में ईडी ने 37 ठिकानों पर छापेमारी की है। क्लासरूम घोटाले में दिल्ली सरकार के पूर्व मंत्रियों और निजी ठेकेदारों पर शिकंजा कसा जा रहा है। ईडी का ये एक्शन एंटी करप्शन ब्यूरो की एफआईआर के आधार पर हो रहा है। इस मामले में जून के महीने में ही दिल्ली के पूर्व उप-मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को एसीबी की तरफ से दूसरी बार समन भेजा गया है। इस बार उन्हें 20 जून को पेश होने के लिए कहा गया है।

दिल्ली सरकार के क्लासरूम घोटाले में 2015 से 2019 के बीच सरकारी स्कूलों में 12,748 कक्षाओं के निर्माण में लगभग 2,000 करोड़ के भ्रष्टाचार के आरोप लगे हैं। इस मामले में आम आदमी पार्टी के पूर्व मंत्री मनीष सिसोदिया और सत्येंद्र जैन के खिलाफ दिल्ली की भ्रष्टाचार निरोधक शाखा ने 30 अप्रैल को मामला दर्ज किया था। प्रत्येक कक्षा के निर्माण की लागत ?24.86 लाख बताई गई, जबकि सामान्यत: यह ?5 लाख के आसपास होती है। बिना उचित टेंडर प्रक्रिया के ठेके आप से जुड़े ठेकेदारों को दिए गए।बिना आवश्यक अनुमति के निजी सलाहकार और आर्किटेक्ट नियुक्त किए गए।कम समय तक चलने वाले ढांचों को आरसीसी (75 साल की उम्र वाले) के बराबर लागत पर बनाया गया। केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) की रिपोर्ट में परियोजना में गंभीर अनियमितताओं की पुष्टि हुई है। गृह मंत्रालय ने दोनों पूर्व मंत्रियों के खिलाफ अभियोजन की अनुमति दी है।

सिसोदिया और सत्येंद्र जैन पर पद का दुरुपयोग करने का आरोप

आरोप है कि मनीष सिसोदिया और सत्येंद्र जैन ने अपने पद का दुरुपयोग करते हुए मनमाने तरीके से क्लासरूम की लागत और साइज बढ़ाकर इसका फायदा लिया। दोनों पर सरकारी नियमों का पालन नहीं करने का आरोप लगा. क्लासरूम बनाने की लागत 24.86 लाख रुपये बताई गई, जबकि दिल्ली में इसी तरह के निर्माण की लागत 5 लाख रुपये का खर्च आता है।

बुलंदशहर में आग लगने से मासूम समेत पांच जिंदा जले, एक घायल

» दर्दनाक हादसा : पुलिया से टकराकर पलटी कार

4पीएम न्यूज नेटवर्क

बुलंदशहर । उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर जिले में दर्दनाक हादसा हुआ है। यहां एक कार पुलिया से टकराकर पलट गई और फिर आग लग गई। हादसे में कार सवार पांच लोगों की जिंदा जलकर मौत हो गई। मौकेपर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार, जहांगीराबाद थाना इलाके में जहांगीराबाद-बुलंदशहर मार्ग पर गांव चांदौक चौराहे के पास बदायूं की ओर से आ रही तेज रफ्तार कार अनियंत्रित एक पुलिया से टकरा गई। कार में आग लग गई। हादसे में कार सवार एक मासूम समेत कुल पांच लोगों की जिंदा जलकर मौत हो गई। जबकि, हादसे में एक युवती की हालत गंभीर है। जिसका उपचार चल रहा है। ये सभी बदायूं में शादी समारोह से दिल्ली लौट रहे थे। हादसे की वजह ड्राइवर को नींद की झपकी आना बताई जा रही है। बदायूं जिले के थाना सहसवान के गांव चमनपुरा निवासी तनवीर अहमद दिल्ली में रहते हैं।

एअर इंडिया के अधिकारी 23 को किए जा सकते हैं तलब

अहमदाबाद विमान हादसे पर संसद की स्थाई समिति की अहम बैठक

4पीएम न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली। अहमदाबाद विमान हादसे से जुड़े सभी पक्षों से संसद की स्थाई समिति जल्द जवाब तलब कर सकती है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक 23 जून को समिति की बैठक बुलाई गई है, जिसमें सभी संबंधित पक्षों से विमान हादसे के बारे में सवाल किए जा सकते हैं।

मिली जानकारी के मुताबिक 23 जून को पहले से ही समिति की बैठक प्रस्तावित है। हालांकि इस बैठक का एजेंडा फिलहाल दिल्ली और आसपास के राष्ट्रीय राजमार्गों पर अतिक्रमण के चलते लगने वाले ट्रैफिक जाम की समीक्षा है, लेकिन विमान हादसे की गंभीरता को देखते हुए बैठक के एजेंडे में बदलाव होना तय है। परिवहन, पर्यटन और संस्कृति मंत्रालय से जुड़ी संसद की स्थाई समिति की इस बैठक में नागरिक उड्डयन मंत्रालय के सचिव , डीजीसीए के महानिदेशक और भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरणके चेयरमैन को तलब किए जाने की संभावना है। इसके अलावा एअर इंडिया के सीईओ या किसी आला अधिकारी को भी तलब किए जाने की संभावना है। जेडीयू के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद इस स्थाई समिति के अध्यक्ष हैं।

एअर इंडिया के विमानों में आ रही शिकायतों पर भी चर्चा

सूत्रों के मुताबिक संसदीय समिति इस घटना से जुड़ी जानकारी लेने के साथ ही विमान यात्रा में सुरक्षा सुनिश्चित किए जाने से जुड़े उपायों और कदमों की भी समीक्षा करेगी. एअर इंडिया के विमानों में आ रही शिकायतों और सुरक्षा संबंधी पहलुओं पर समिति विशेष समीक्षा और चर्चा करेगी। बता दें कि अहमदाबाद विमान हादसे की जांच के लिए सरकार की ओर से पहले ही गृह सचिव की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय समिति का गठन कर दिया गया है, जिसकी पहली बैठक 16 जून को हुई थी।

इजराइल-ईरान में और तेज हुई लड़ाई, तेहरान ने दागी फतेह मिसाइल

» इजरायल के तेल अवीव और यरुशलम सहित कई शहरों पर हमला

4पीएम न्यूज नेटवर्क

तेहरान। ईरान और इजरायल के बीच पिछले एक सप्ताह से जारी संघर्ष लगातार जारी है। इस हिंसा में ईरान में 70 महिलाओं और बच्चों सहित 220 से अधिक लोग अपनी जान गंवा चुके हैं, जबकि इजरायल में 20 से ज्यादा लोगों की मौत हुई है। दोनों देशों के बीच मिसाइल हमले और जवाबी कार्रवाइयों से स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है, और शांति की कोई तत्काल संभावना नहीं दिख रही।

इधर इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स की तरफ से दावा किया गया है कि उसकी तरफ से इस लड़ाई में पहली बार फतेह-1 मिसाइल का उपयोग किया गया। ईरान ने इजरायल के तेल अवीव और यरुशलम सहित कई शहरों पर मिसाइलें दागीं। इजरायल में सायरन बजने से लोग बंकरों में छिपने को मजबूर हुए। इजरायली रक्षा बल ने 100 से अधिक ईरानी ड्रोन और मिसाइलों को नष्ट करने का दावा किया, लेकिन कुछ हमलों से भारी नुकसान हुआ। ईरान के हमलों में अब तक इजरायल में 24 लोग मारे गए हैं और सैकड़ों घायल हुए हैं। अलजजीरा की रिपोर्ट के अनुसार इजरायल और ईरान ने लगातार छठे दिन एक दूसरे पर मिसाइल हमले किए हैं। तेहरान में धमाके सुने गए हैं। दूसरी तरफ एएफपी की रिपोर्ट के अनुसार इजराइली सेना का कहना है कि उसने ईरान के सेंट्रीफ्यूज बनाने वाले और हथियार बनाने वाले स्थलों पर हमला किया है।

युद्ध के छठे दिन में प्रवेश करने के साथ तेल की कीमतों में वृद्धि हुई

ईरान-इजरायल युद्ध से आपूर्ति बाधित होने की चिंता के कारण बुधवार को शुरुआती कारोबार में तेल की कीमतों में 4प्रतिशत से अधिक की बढ़ोतरी हुई। ब्रेंट क्रूड वायदा 19 सेंट या 0.25प्रतिशत बढ़कर 0029 तक 76.64 डॉलर प्रति बैरल हो गया। यूएस वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट क्रूड वायदा 23 सेंट या 0.31प्रतिशत बढ़कर 75.07 डॉलर प्रति बैरल हो गया।

लक्ष्यों को पूरा करने पर केंद्रित है डोनाल्ड ट्रंप का ध्यान : वेंस

अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने ईरान पर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के रुख को स्पष्ट किया है। सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में वेंस ने लिखा कि ट्रंप वही करेंगे जिसमें अमेरिकी लोगों का हित होगा। वेंस ने लिखा,मैं राष्ट्रपति (और मेरे मित्र) के प्रति पक्षपाती हूं, सोशल मीडिया पर बहुत सी चीजें चल रही हैं। मैं ईरान के मुद्दे पर कुछ चीजों को सीधे संबोधित करना चाहता था।

यूएई ने यूएनएससी से इजरायल-ईरान संघर्ष पर तत्काल कार्रवाई करने का आग्रह किया

संयुक्त अरब अमीरात यानके विदेश मंत्री ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद से इजरायल और ईरान के बीच युद्धविराम कराने के लिए तत्काल और आवश्यक उपाय करने का आह्वान किया है। शेख अब्दुल्ला बिन जायद अल-नाहयान ने यह भी कहा कि स्थिति को गंभीर और दूरगामी परिणामों में बदलने से रोकने के लिए कूटनीति की आवश्यकता है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा** द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **महाराष्ट्र कार्यालय** :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 । **Email**: daily4pm@gmail.com ।
website: www.4pm.co.in । **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।